

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलाकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 294

गुरुवार, 29 अक्टूबर-2026 (गाजियाबाद)

पेज-8

मूल्य-एक रुपया

चक्रवात ‘अर्नब’ का कहर, आंध्र प्रदेश में तीन की मौत

31 मकान क्षतिग्रस्त, 57 हजार लोग राहत शिविरों में पहुंचाए गए

वेलाकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। चक्रवात ‘अर्नब’ से आंध्र प्रदेश सबसे अधिक प्रभावित हुआ है और राज्य में तीन लोगों की मौत हो गई तथा 31 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। एनडीआरएफ के महानिरीक्षक (आईजी) नरेन्द्र सिंह बुंदेला ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि केंद्र सरकार के साथ-साथ आंध्र प्रदेश और ओडिशा की आपदा राहत एवं बचाव टीमों बारिश से उत्पन्न होने वाली स्थिति से निपटने की तैयारी



कर रही हैं।

दोनों राज्यों और आसपास के इलाकों में बारिश जारी रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि

गया है। इसके धीरे-धीरे और कमजोर होकर पहले चक्रवाती तूफान और फिर शाम तक गहरे दबाव के क्षेत्र में बदलने का अनुमान है। बुंदेला ने कहा, “चक्रवात ‘अर्नब’ से आंध्र प्रदेश का उत्तरी हिस्सा और ओडिशा का दक्षिणी हिस्सा सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। दोनों राज्यों के कुछ जिलों में तेज हवाएं चल रही हैं और बारिश हो रही है।” उन्होंने कहा, “आंध्र प्रदेश सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। हमें जानकारी मिली है कि वहां पेड़ उखड़ गए हैं, विभिन्न प्रकार के 31 मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और तीन लोगों की मौत हो गई है।” बुंदेला

चक्रवात पुडुचेरी के यनम के पास तट को पार कर गया है और कमजोर होकर अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान से भीषण चक्रवाती तूफान में बदल

आगमिक मंदिरों में बिना श्रद्धा प्रवेश नहीं कर सकते गैर-हिंदू: मद्रास उच्च न्यायालय

वेलाकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मद्रास उच्च न्यायालय ने कहा है कि आगमिक मंदिरों में प्रवेश के लिए पूजा का संकल्प लेने या पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करने से इनकार करने वाले गैर-हिंदुओं को आगमिक मंदिरों में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसा करने से इन मंदिरों की धार्मिक पवित्रता प्रभावित होगी। यह फैसला के. थंगम वेंकटेश द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर आया है।



ने कहा, “ईसाई धर्म को मानने के कारण उनसे हिंदू धर्म अपनाने के लिए नहीं कहा गया। उनसे केवल देवता के प्रति अपनी श्रद्धा की पुष्टि करने को कहा गया। इसे ही हम समावेशी दृष्टिकोण कहते हैं।” पीठ ने इसकी तुलना उन मामलों से की जिनमें लोगों ने स्थापित नियमों को दरकिनार किया। पीठ ने राजनीतिक दिखावे और आस्था के प्रदर्शन के तौर-तरीकों की भी आलोचना की जो स्थानीय विरोध के लिए मंदिरों में जाते हैं और माथे पर धार्मिक चिह्न लगाकर इसका सार्वजनिक प्रदर्शन करते हैं। पीठ ने कहा, “इस तरह के प्रदर्शन से मिलने वाले वोट का महत्व स्पष्ट है। मंदिर को परंपराओं और रीति-रिवाजों को इस तरह की ‘चमचागिरी’ और दिखावे के आगे नहीं झुकना चाहिए।”

पीठ ने उन अन्य नेताओं की भी आलोचना की जो स्थानीय विरोध के बावजूद धार्मिक चिह्न या टोपी पहनकर पवित्र स्थलों में प्रवेश करते हैं। अदालत ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे नियमों को सख्ती से लागू करें और राजनीतिक हितों के दबाव में आए बिना सदियों पुरानी परंपराओं तथा मंदिरों में प्रवेश संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करें।

फिलीपींस ने भी लिया ब्रह्मोस, राजनाथ सिंह ने वैश्विक मंच पर दिखाई भारत की ताकत

वेलाकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत की साख और रक्षा तैयारियों में वृद्धि हुई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत कभी किसी को उकसाता नहीं है, लेकिन अगर उसे उकसाया जाए, तो वह उसका कड़ा जवाब देता है। फिलीपींस के सेबू में 13वीं 'आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस' (ADMM-Plus) के दौरान भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए, सिंह ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बढ़ती साख, आर्थिक प्रगति, रक्षा क्षमताओं और भ्रष्टाचार को रोकने के प्रयासों पर प्रकाश डाला।



दुनिया भर में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। अगर ऐसा नहीं होता, तो 35 देशों के नेतृत्व में हमारे प्रधानमंत्री को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मानों से सम्मानित नहीं किया होता। आज, जब भारत बोलता है, तो दुनिया पूरे ध्यान से सुनती

है, सिंह ने कहा। वैश्विक सहयोग की भारत की विचारधारा पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत इकलौता ऐसा देश है जो पूरी दुनिया को अपना परिवार मानता है। हम वसुधैव कुटुम्बकम (पूरी दुनिया एक परिवार है) की बात करते

हैं। हम इतने उदार हैं कि नाग पंचमी के मौके पर सांपों को भी दूध पिलाते हैं। भारत की आर्थिक वृद्धि पर सिंह ने कहा कि देश अभी दुनिया में पांचवें स्थान पर है और उन्होंने भरोसा जताया कि यह स्थिति और बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के मामले में हम दुनिया में पांचवें स्थान पर हैं, अगर पश्चिम एशिया में संकट न होता, तो हम अब तक दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुके होते। हालांकि, ऐसा होना तय है। सुरक्षा खतरों के प्रति भारत की प्रतिक्रिया का जिक्र करते हुए, रक्षा मंत्री ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ का उदाहरण दिया और देश की मजबूत होती रक्षा क्षमताओं पर जोर दिया।

चार राज्यों के विधान परिषद चुनाव में एनडीए ने जीतीं 16 सीटें, सपा को यूपी में 5 पर मिली सफलता

वेलाकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। चार राज्यों में विधान परिषद की 28 सीट पर हुए चुनावों में भाजपा और राजग के उसके सहयोगियों ने 16 सीट जीतीं, जबकि कांग्रेस को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली। वहीं, समाजवादी पार्टी (सपा) ने उत्तर प्रदेश में पांच सीट पर जीत दर्ज की, जिनमें वाराणसी की दो सीट शामिल हैं। महाराष्ट्र में नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की एक सीट को छोड़कर सभी सीट के नतीजे घोषित कर दिए गए।

नागपुर सीट पर भाजपा के उम्मीदवार सुधाकर कोहले और कांग्रेस के मौजूदा विधान परिषद सदस्य अभिजीत वंजारी के बीच कड़ा मुकाबला जारी था। बिहार में दो निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। राज्य में जन सुराज पार्टी ने भी अपना

खाता खोला, जबकि पांच मौजूदा विधान परिषद सदस्य अपनी सीट हार गए। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस को बड़ा झटका लगा। पार्टी चारों सीट हार गई। भाजपा ने तीन और जनता दल (सेक्युलर) ने एक सीट जीती।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मतपत्रों से मतदान होने के बावजूद कांग्रेस के खराब प्रदर्शन को लेकर पार्टी पर कटाक्ष किया। विपक्षी दल इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के खिलाफ अपने अभियान में मतपत्रों से चुनाव कराने की मांग करते रहे हैं। मोदी ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ‘उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक जैसे चार बड़े राज्यों की 28 सीट पर विधान परिषद के चुनाव हुए। मतदान मतपत्रों से हुआ। अंदाजा लगाइए कि कांग्रेस ने कितनी सीट जीतीं।’ भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़



महायुति गठबंधन ने महाराष्ट्र में दो सीट जीतीं, जबकि विपक्षी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) को दो सीट पर जीत मिली। बिहार में भाजपा ने तीन सीट जीतीं, जबकि जनता दल (यूनैटेड) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने एक-एक सीट जीती। उत्तर प्रदेश में शिक्षकों के छह और स्नातकों के पांच निर्वाचन क्षेत्रों, बिहार में शिक्षकों और स्नातकों के चार-चार,

कर्नाटक में शिक्षकों और स्नातकों के दो-दो तथा महाराष्ट्र में स्नातकों के तीन और शिक्षकों के दो निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान हुआ था। मतगणना मंगलवार से शुरू हुई थी। इन चुनावों में केवल स्नातक और शिक्षक मतदाता ही वोट डालने के पात्र होते हैं। मतदान के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के बजाय मतपत्रों का इस्तेमाल किया जाता है। भाजपा ने कांग्रेस की

हार को लेकर उस पर निशाना साधते हुए कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि मुख्य विपक्षी दल चुनाव ईवीएम से हों या मतपत्रों से, जनता का समर्थन हासिल नहीं कर सकता। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को समझना चाहिए कि जनता का समर्थन मेहनत से मिलता है, ‘मनोरंजन के लिए यात्राएं’ करने से नहीं। कांग्रेस ने मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि अगर प्रधानमंत्री को इतना भरोसा है कि ईवीएम का चुनाव नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ता, तो उन्हें लोकसभा और आगामी विधानसभा चुनाव मतपत्रों से कराने की प्रतिबद्धता जतानी चाहिए। कर्नाटक में जद(एस) ने बेंगलुरु शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र कांग्रेस से छीन लिया। भाजपा ने उत्तर-पूर्व

शिक्षक, दक्षिण-पूर्व स्नातक और पश्चिम स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस उम्मीदवारों को हराया। हालांकि, इन नतीजों से कांग्रेस सरकार की स्थिरता पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन इसे भाजपा और जद(एस) के बीच विपक्षी एकजुटता के परिणाम के रूप में देखा जा रहा है। इसे गठबंधन की नैतिक जीत भी माना जा रहा है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि बेंगलुरु शिक्षक और उत्तर-पूर्व शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के नतीजे मंगलवार को घोषित कर दिए गए थे, जबकि बाकी दो सीट पर मतगणना रातभर जारी रही। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी. वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि राजग की जीत सत्तारूढ़ कांग्रेस को जनता की ओर से खारिज किए जाने का संकेत है और यह 2028 के विधानसभा चुनावों की दिशा भी दिखाती है।

सिंगापुर की तकनीक और यूपी का सामर्थ्य मिलकर लिखेंगे वैश्विक विकास की नई इबारत: मुख्यमंत्री योगी

सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात, उद्योग, लॉजिस्टिक्स और डेटा सेंटर में निवेश पर हुई विस्तृत चर्चा

वेलाकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख ग्रोथ इंजन बनाने और 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राजधानी लखनऊ में सिंगापुर के शीर्ष उद्योगपतियों एवं निवेशकों के 14 सदस्यीय उच्चस्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ विस्तृत चर्चा की। सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में लॉजिस्टिक्स, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, ग्रीन एनर्जी, अर्बन प्लानिंग और हाईटेक इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों में बड़े निवेश की इच्छा व्यक्त की। यह

प्रतिनिधिमंडल फरवरी में मुख्यमंत्री की सिंगापुर यात्रा के बाद अब उत्तर प्रदेश के दौरे पर आया है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि आधुनिक सिंगापुर के निमाता स्वर्गीय ली कुआन यू के विजन ने दुनिया को दिखाया कि किसी देश की वैश्विक पहचान उसके भौगोलिक आकार से अधिक उसकी दृष्टि, कार्यक्षमता और संसाधनों के कुशल उपयोग से बनती है। उन्होंने कहा कि विगत 12 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ‘फ्रैजाइल’ अर्थव्यवस्था की स्थिति से निकलकर दुनिया की अग्रणी और सशक्त अर्थव्यवस्थाओं में स्थापित हुआ है। इसी प्रकार, पिछले साढ़े नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश भी ‘बीमारू’



छवि से बाहर निकलकर देश के ग्रोथ इंजन के रूप में उभरा है। प्रदेश की जीडीपी, वार्षिक बजट और प्रति व्यक्ति आय तीन गुना हुई है। वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी भी तीन गुना बढ़ी है। बिना जनता पर कोई नया कर

लगाए उत्तर प्रदेश निरंतर रेवेन्यू-सरप्लस राज्य बना हुआ है। फरवरी 2026 में सिंगापुर यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति श्री थर्मन शम्भुगुरात्म जी और प्रधानमंत्री श्री लॉरेंस वोंग जी से हुई मुलाकातों का

उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उस दौरान लगभग 60,000 करोड़ के निवेश समझौतों पर सहमति बनी थी। सिंगापुर रोडशो के दौरान राज्य सरकार ने निवेशकों को ‘सेप्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड’ का जो भरोसा

दिया था, प्रदेश आज भी उसी कमिटमेंट के साथ आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अब लक्ष्य निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारकर उत्पादन शुरू कराने का है। ‘एमओयू से मैनुफैक्चरिंग’ और ‘ग्राउंडब्रेकिंग से प्रोडक्शन’ तक की पूरी प्रक्रिया में उत्तर प्रदेश सरकार निवेशकों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी और हर स्तर पर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के समक्ष जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निकट समर्पित ‘सिंगापुर सिटी’ और हाई-टेक इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के

संगम तथा विश्वस्तरीय एक्सप्रेसवे नेटवर्क से जुड़ा यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए उत्तर भारत का प्रमुख विकास, सेमीकंडक्टर फैक्ट्री और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी हाई-टेक मैनुफैक्चरिंग, डेटा सेंटर, क्लाउड सर्विसेज एवं ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा सोलर, ग्रीन हाइड्रोजन, वेस्ट मैनेजमेंट और वाटर रिसाईक्लिंग जैसी क्लीन टेक्नोलॉजी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश के कुल मोबाइल उत्पादन का लगभग 55 प्रतिशत और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स का 60 प्रतिशत निर्माण उत्तर प्रदेश में हो रहा है। उन्होंने प्रदेश की कृषि क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की ‘फूड बास्केट’ के रूप में उत्तर प्रदेश का योगदान महत्वपूर्ण है।

दिया। इनमें जेवर, एक्सप्रेसवे और फ्रेट कॉरिडोर के माध्यम से मस्कोमंडल लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग का विकास, सेमीकंडक्टर फैक्ट्री और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी हाई-टेक मैनुफैक्चरिंग, डेटा सेंटर, क्लाउड सर्विसेज एवं ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा सोलर, ग्रीन हाइड्रोजन, वेस्ट मैनेजमेंट और वाटर रिसाईक्लिंग जैसी क्लीन टेक्नोलॉजी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश के कुल मोबाइल उत्पादन का लगभग 55 प्रतिशत और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स का 60 प्रतिशत निर्माण उत्तर प्रदेश में हो रहा है। उन्होंने प्रदेश की कृषि क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की ‘फूड बास्केट’ के रूप में उत्तर प्रदेश का योगदान महत्वपूर्ण है।

संपादक की कलम



विदेश और प्रवासियों की सुरक्षा पर सवाल



ललित शर्मा

संपादक

प्रतिस्पर्धा तथा पश्चिमी देशों में बढ़ती राष्ट्रवादी राजनीति ने विदेशी नागरिकों के भविष्य को अनिश्चित बना दिया है। विशेष रूप से भारतीय पेशेवरों के सामने वीजा, स्थायी निवास और रोजगार सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। अनेक देशों में स्थानीय रोजगार को प्राथमिकता देने की मांग तेज हुई है, जिसके कारण प्रवासी समुदाय स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगा है। हाल के वर्षों में अमेरिका की एच-1बी वीजा नीतियों में बदलाव और बढ़ती अनिश्चितताओं ने हजारों भारतीय तकनीकी विशेषज्ञों को भविष्य के प्रति चिंतित किया है। भारतीय मूल के लाखों पेशेवर विदेशों में रहते हैं। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार विश्वभर में लगभग 3.5 करोड़ भारतीय मूल के लोग निवास करते हैं, जो दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय माना जाता है। इनमें बड़ी संख्या डॉक्टरों, इंजीनियरों, आईटी विशेषज्ञों, वित्तीय सलाहकारों और शोधकताओं की है। केवल भारतीय छात्रों की बात करें तो वर्ष 2024 तक 13 लाख से अधिक भारतीय छात्र विदेशों में अध्ययन कर रहे थे। विदेशों में रहने वाले भारतीयों की समकक्ष तरकीब अक्सर दिखाई जाती है, किंतु उसके पीछे छिपी मानसिक और सामाजिक पीड़ा कम चर्चा में आती है। आर्थिक सफलता के बावजूद सांस्कृतिक अकेलापन, परिवार से दूरी, बुजुर्ग माता-पिता की चिंता, बच्चों की पहचान का संकट तथा नस्लीय भेदभाव के अनुभव अनेक प्रवासी भारतीयों को भीतर से विचलित करते हैं। पश्चिमी देशों में जीवन की बढ़ती लागत ने भी स्थिति कठिन बना दी है। ऊंचे किराए, महंगी स्वास्थ्य सेवाएं, बच्चों की शिक्षा का खर्च और नौकरी की असुरक्षा ने उस आकर्षण को कमजोर किया है जो कभी विदेशों को अवसरों की स्वर्णभूमि बनाता था। अनेक भारतीय पेशेवर स्वीकार करते हैं कि आर्थिक समृद्धि के बावजूद भावनात्मक संतोष की कमी उन्हें लगातार परेशान करती रहती है। भारत के प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने भी इस विषय पर महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत किए हैं। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने भारतीय प्रवासी समुदाय को रूब्रन ड्रेनर नहीं बल्कि रूब्रन बैंकर बताया है। उनका मानना है कि प्रतिभाएं जहां अवसर मिलते हैं वहां जाती हैं, किंतु वे अनुभव, पूंजी, तकनीक और वैश्विक दृष्टि के रूप में अपने देश को भी समृद्ध करती हैं। यह विचार आज और अधिक प्रासंगिक है क्योंकि बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर अब विदेशों से लौटकर भारत में स्टार्टअप, अनुसंधान और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं। भारत में भी परिस्थितियां तेजी से बदली हैं।

करवा चौध का त्योहार

मोनिका डागा

कविता



सच्ची खुशियों का संगम करवा चौथ का त्योहार,
बरसाना हम बच्चों पर माता अपनी अमृत धार ।

करें प्रार्थना करवा माता से सुहागिनें सारी,
सदा सलामत रखना ये जोड़ी हे मात ! हमारी,
श्रद्धा से निर्जल व्रत कर चरणों में धरा है शीश,
पति की दीघार्पु का मोंगती हूँ आपसे आशीष,
बढ़ें हमेशा इस जीवन में निश्छल निरंतर प्यार,
बरसाना हम बच्चों पर माता अपनी अमृत धार ।

सुखद र्आनंदर् वैवाहिक जीवन का प्यारा उत्सव,
सप्तपदी के पावन बंधन का है सुहाना पर्व,
प्रीत से खिली है कितनी सुंदर तन-मन की क्यारी,
सोलह श्रृंगार में सजी सुहागिन लगे बड़ी प्यारी,
निभाएं समर्पण से रिश्ता सपने करें साकार,
बरसाना हम बच्चों पर माता अपनी अमृत धार ।

बनाकर चॉद को साक्षी प्रेम का पूरी की रीत,
सुख समृद्धि प्रेम से सम्पन्न जिंदगी आशातीत,
आँखों में झलके हमारी पुनीत प्रेम का सबूत,
सच्चे जीवन साथी सुख-दुख के हो पकड़ मजबूत,
चहकता रहें खुशियों से यूँ सदाबहार संसार,
बरसाना हम बच्चों पर माता अपनी अमृत धार ।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित करारक ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी. सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया ।
संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।



ललित गर्ग

लेखक

भारत की संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है। यहाँ कहा गया है-ह्यमातृदेवो भव, पितृदेवो भव।ह्म जिन्ह देश में माता-पिता के चरणों में स्वर्ग देखने की परंपरा रही हो, उसी देश में यदि वृद्धावस्था में माता-पिता अपने ही घर में उपेक्षा, अपमान, अकेलेपन और असुरक्षा का दंश झेलने को विवश हों, तो यह केवल पारिवारिक विघटन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्न है। जिस बुजुर्ग ने अपनी संतान के भविष्य के लिए वर्तमान को खपा दिया, यदि उसी संतान के पास उसके बुढ़ापे के लिए समय, संवेदना और स्नेह न बचे, तो विकास की चमक के बीच मानवीय मूल्यों का अंधेरा साफ दिखाई देता है। ऐसे समय में केरल विधानसभा द्वारा अक्टूबर 2026 में वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण से संबंधित व्यापक विधेयक पारित किया जाना एक आशाजनक पहल है।

यह कानून की किताब में जुड़ा एक नया अध्याय भर नहीं, बल्कि बुजुर्गों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और भरोसे का नया सूर्योदय बनने की क्षमता रखता है। भारत में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों की संख्या लगभग 15

करोड़ बताई जा रही है। अनुमान है कि यह आबादी 2036 तक लगभग 23 करोड़ और 2050 तक 34 करोड़ से अधिक हो सकती है।

यह बदलती जनसांख्यिकी हमें चेतावनी भी देती है और अवसर भी। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं ने मनुष्य की आयु बढ़ाई है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या हमने जीवन की बढ़ती अवधि को गरिमापूर्ण बनाने की तैयारी भी की है ?

सिर्फ लंबी उम्र उपलब्धि नहीं है, उस उम्र में सम्मान, आत्मनिर्भरता और अपनापन बनाए रखना ही वास्तविक उपलब्धि है। केरल की इस पहल का महत्त्व इसलिए बढ़ जाता है कि यह बुजुर्गों की समस्याओं को केवल परिवार की निजी जिम्मेदारी मानकर छोड़ देने के बजाय सामाजिक और संस्थागत दायित्व के रूप में देखती है।

विधेयक में वरिष्ठ नागरिकों के साथ शारीरिक एवं मानसिक दुर्व्यवहार, क्रूरता और उनकी इच्छा के विरुद्ध उन्हें बेसहारा छोड़ने जैसे क्रुत््यों के लिए दंड का प्रावधान किया गया है। इसके साथ संरक्षण इकाइयों, देखभाल केंद्रों के नियमन, देखभालकताओं के प्रशिक्षण और शिकायतों के निवारण जैसी व्यवस्थाओं पर जोर दिया गया है। साइबर धोखाधड़ी से बचाव तथा बुजुर्गों के स्वास्थ्य संबंधी निर्णयों के अधिकार जैसे विषयों को स्थान देना भी बदलते समय की जरूरतों को समझने का संकेत है।

इस पहल का मूल संदेश स्पष्ट है-बुजुर्गों की सेवा सद्भावना का विषय अवश्य है, लेकिन उनकी सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करना सामाजिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व भी है। इस विधेयक की

महिला कैदियों और बच्चों के अधिकारों पर NHRC सख्त, 10 सुधारों का शंखनाद

यदि किसी महिला को अस्वच्छ शौचालय,पर्याप्त पानी की कमी,मासिक धर्म के दौरान जरूरी स्वच्छता सामग्री का अभाव,पैथिक भोजन की कमी या मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता के अभाव का सामना करना पड़े,तो यह व्यवस्था की गंभीर परीक्षा है। महिला कैदियों की आवश्यकताएं पुरुष कैदियों से कुछ मामलों में अलग होती हैं। गर्भावस्था,प्रसव, स्तनपान मासिक धर्म,प्रजनन स्वास्थ्य और बच्चों की देखभाल के लिए विशेष प्रबंध जरूरी हैं।इन जरूरतों की उपेक्षा केवल अस्वस्थि नहीं,बल्कि स्वास्थ्य, सुरक्षा और गरिमा से जुड़े अधिकारों को प्रभावित कर सकती है।महिला कैदियों के सामने एक और गंभीर चुनौती सामाजिक कलंक है। जेल से रिहाई के बाद कई महिलाओं को रोजगार,परिवार में स्वीकार्यता, सामाजिक संबंधों और आत्मसम्मान की पुनर्स्थापना में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।इसलिए सुधार की दृष्टि केवल जेल के दरवाजे तक सीमित नहीं रह सकती; उसे रिहाई के बाद के जीवन तक पहुंचना होगा।

साथियों बात अगर हम एनएचआरसी की पहल की पृष्ठभूमि: पहले ही उठ चुकी है सवाल किसको समझने को करें तो,इस विषय में एक महत्त्वपूर्ण तथ्य यह है कि आयोग ने महिला कैदियों की कठिनाइयों को पहली बार नहीं उठाया है। एनएचआरसी की आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, 8 अप्रैल 2025 को आयोग ने देश की विभिन्न जेलों में कैदियों,विशेषकर महिला कैदियों और उनके बच्चों की कठिनाइयों पर स्वतः संचान लिया था।

उस समय जेलों में क्षमता से अधिक भीड़, बुनियादी सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, अर्थात्त शौचालय, सैनिटरी नैपकिन तथा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से जुड़ी समस्याएं सामने रखी गईथीं।गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण बच्चों की शिक्षा के अवसरों की कमी तथा कानूनी सहायता,कौशल प्रशिक्षण और पुनर्वासिकार्यक्रमों के क्रियान्वयन को लेकर भी चिंता जताई गई थी।आयोग ने तब राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों से संबंधित आंकड़ों सहित चार सप्ताह में रिपोर्ट मांगी थी।इस पृष्ठभूमि में 28 अक्टूबर 2026 का परामर्श एक व्यापक नीतिगत कदम के रूप में महत्त्वपूर्ण है।हालांकि, तथ्यात्मक स्पष्टता जरूरी है: 28 अक्टूबर 2026 की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में नए



सबसे संवेदनशील अवधारणा है-ह्राएजिंग इन प्लेसह्म, अर्थात बुजुर्गों को यथासंभव उनके अपने घर और परिचित परिवेश में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर देना। वृद्धाश्रमों की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन माता-पिता के लिए घर का एक कमरा भी तब अधिक मूल्यवान होता है, जब उसमें अपनत्व की गर्माहट हो। बुजुर्गों को केवल भोजन, दवा और बिस्तर नहीं चाहिए, उन्हें बातचीत करने वाला साथी, उनकी बात सुनने वाला कान, उनके अनुभवों को समझने वाला मन और उनके अस्तित्व को स्वीकार करने वाला परिवार चाहिए। उम्र के इस पड़ाव पर कई बार आर्थिक अभाव से अधिक भावनात्मक अभाव पीड़ा देता है।

जिस घर में बुजुर्गों की आवाज अनसुनी हो जाती है, वहाँ दीवारें तो रहती हैं, लेकिन परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। आज संयुक्त परिवारों का विघटन, महानगरों की भागदौड़, विदेशों की ओर पलायन और बढ़ती व्यक्तिवादी प्रवृत्ति ने बुजुर्गों के जीवन को कठिन बनाया है। न कभी दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की जीवंत



परामर्श की घोषणा की गई है;इसे उसी दिन महिला कैदियों के मुद्दे पर, पहलीबार स्वतः संचान लेने वाला सटीकता से आदेश कहना सही नहीं होगा।

साथियों बात अगर हम आदेश या परामर्श? तारीख, क्रमांक और आधिकारिक स्थिति को समझने की करें तो इस विषय पर रिपोर्टिंग करते समय एक महत्त्वपूर्ण कानूनी अंतर समझना आवश्यक है।एनएचआरसी की आधिकारिक वेबसाइट के अदर एडवाइजरी अनुभाग में एडवाइजरी ऑन द प्रोटेक्शन ऑफ ह्यूमन राइट्स ऑफ फीमेल इनमेंटेंस एंड देयर चिल्ड्रन को क्रम संख्या 1 पर सूचीबद्ध किया गया है, जिसकी तारीख 23 अक्टूबर 2026 दर्ज है।वहीं,आयोग की इसे जारी किए जाने की प्रेस विज्ञप्ति 28 अक्टूबर 2026 की है।इस प्रकार परामर्श की सूचीबद्ध तारीख और प्रेस विज्ञप्ति की तारीख अलग- अलग हैं। उपलब्ध आधिकारिक विवरण में इस परामर्श के लिए कोई अलग न्यायालयीन वाद संख्या अथवा आदेश क्रमांक प्रदर्शित नहीं होता। इसलिए इसे किसी न्यायालय के बाध्यकारी फैसले के रूप में नहीं, बल्कि एनएचआरसी की सुधार संबंधी सिफारिशों वाले आधिकारिक परामर्श के रूप में सटीकता से प्रस्तुत करना उचित होगा।

साथियों बात अगर हम दस प्रमुख क्षेत्र: जेल सुधार की व्यापक कार्ययोजना को समझने की करें तो (1) गिरफ्तारी से जेल में प्रवेश तक संवेदनशील प्रक्रिया। महिला की गिरफ्तारी,हिरासत और जेल में प्रवेश के दौरान कानूनीसुरक्षा उपायों तथा मानवीय संवेदनशीलता का पालन जरूरी है।

प्रवेश के समय उसकी विशेष जरूरतों, स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों पर ध्यान दिया जाना चाहिए।(2) प्रवेश अभिलेख और बच्चों का उचित दस्तावेजीकरण। जेल में बंद महिला के साथ रहने वाले बच्चों तथा उससे अलग रह रहे बच्चों की जानकारी व्यवस्थित रूप

पाठशाला होते थे, उनकी कहानियों में इतिहास, अनुभवों में विवेक और आशीर्वाद में जीवन की पूंजी मिलती थी। आज उसी अनुभव-संपदा को कई बार अनुपयोगी समझ लिया जाता है।

संपत्ति के लिए माता-पिता पर दबाव डालना, उनकी जमा-पूँजी पर अनुचित अधिकार जमाना, बीमारी में उन्हें अकेला छोड़ देना अथवा उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाना सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। यह कैसी विडंबना है कि जिन हाथों ने बच्चों की चलना सिखाया, उन्हीं हाथों को बुढ़ापे में सहारे के लिए तरसना पड़े।केरल का विधेयक इस समस्या के समाधान की दिशा में व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। इसमें वरिष्ठ नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार और उन्हें बेसहारा छोड़ने पर तीन वर्ष तक के कारावास तथा 50 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

देखभाल केंद्रों के पंजीकरण, देखभालकताओं के प्रशिक्षण, शिकायतों के निवारण और साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएँ भी प्रस्तावित हैं। साथ ही, वरिष्ठ नागरिकों के चिकित्सा संबंधी पूर्वनिर्धारित निर्णयों, कानूनी

सहायता और डिजिटल सेवाओं तक पहुंच को महत्व दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि विधानसभा ने यह विधेयक 26 अक्टूबर 2026 को सर्वसम्मति से पारित किया है, इसे कानून के रूप में लागू होने के लिए राज्यपाल की स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इस पहल का एक दूरदर्शी पक्ष ह्रासिल्वर इकोनॉमीह्म की अवधारणा भी है। बुजुर्गों को केवल सहायता प्राप्त करने वाले निकायों के रूप में नहीं, बल्कि समाज के सक्रिय योगदानकर्ता के रूप में देखा जाना चाहिए। उनके अनुभव, ज्ञान, कौशल और जीवन-कथा का उपयोग शिक्षा, परामर्श, सामाजिक सेवा, उद्यमिता और सामुदायिक विकास में किया जा सकता है।सेवानिवृत्ति का अर्थ प्रतिभा की नगमाई नहीं, बल्कि जीवन की दूसरी पारी का आरंभ भी हो सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज उन्हें बोझ नहीं, अपनी अमूल्य पूँजी माने। पेड़ जब पुराना होता है, तब भी उसकी छाया कम मूल्यवान नहीं हो जाती। इसी तरह अनुभव की परिपक्वता किसी भी राष्ट्र की विकास-यात्रा को दिशा दे सकती है। अब समय है कि केंद्र सरकार के साथ दूसरे राज्य भी केरल की इस पहल से प्रेरणा लें।केंद्र के माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा हो तथा आवश्यकतानुसार उसे और सशक्त बनाया जाए। राज्यों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए समर्पित संरक्षण इकाइयाँ, सुलभ शिकायत व्यवस्था, नि:शुल्क कानूनी सहायता, घर पर स्वास्थ्य सेवाएं और सुरक्षित सामुदायिक केंद्र विकसित किए जाएँ।पुलिस, अस्पतालों, बैंकों और

स्थानीय निकायों में बुजुर्गों की समस्याओं के त्वरित समाधान की व्यवस्था हो। साथ ही, विद्यालयों और महाविद्यालयों में पीढ़ियों के बीच संवाद तथा परिवारों में संवेदनशीलता विकसित करने के अभियान चलाए जाएँ। कानून अपराध होने के बाद दंड दे सकता है, लेकिन संस्कार अपराध की नींबूत आने से पहले ही रोक सकते हैं।

अंततः बुजुर्गों की सुरक्षा का प्रश्न केवल एक आयु-वर्ग के कल्याण का विषय नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की दिशा का निर्धारक है। आज जो युवा हैं, वे कल वरिष्ठ नागरिक होंगे। इसलिए बुजुर्गों के लिए बनाई गई संवेदनशील व्यवस्था वास्तव में हमारे अपने भविष्य की सुरक्षा है। विकासित भारत और विश्वगुरु भारत का स्वप्न तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक समृद्धि के साथ नैतिक चेतना और आधुनिक जीवन के साथ पारिवारिक आत्मीयता भी विकसित होगी।केरल की पहल एक नई रोशनी का संकेत है, लेकिन इस रोशनी को देश के प्रत्येक घर तक पहुंचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें ऐसा भारत बनाना है, जहाँ वृद्धावस्था विवशता नहीं, सम्मान का काल होय जाए।बुजुर्गों को अपने ही घर में पराया न होना पड़ेय और जहाँ उनकी आँखें संतान की प्रतीक्षा में नहीं, उसके प्रेम और उपस्थिति में चमकें। आखिर जिस समाज की जड़ें भेदभाव के बुजुर्गों के अनुभवों से जुड़ी रहती हैं, उसकी विकास-यात्रा के तूफानों में भी स्थिर रहने की संभावना अधिक होती है। यही सच्चे अर्थ में संस्कारित, समृद्ध और विकसित भारत की पहचान होगी।

सहायता और न्याय तक पहुंच। महिला कैदियों को नि:शुल्क कानूनी सहायता की उपलब्धता, अपने मामले की स्थिति की जानकारी और न्यायिक प्रक्रिया तक प्रभावी पहुंच मिलनी चाहिए।विचाराधीन कैदियों के मामलों में अनावश्यक देरी की समीक्षा भी जरूरी है।व्याद रहे, विचाराधीन होना दोषसिद्ध होना नहीं है; कानून के अनुसार दोष सिद्ध होने तक व्यक्ति निर्दोषता की धारणा का हकदार है।(8) अदालत में पेशी के दौरान विशेष सुविधाएं। महिला कैदियों को जेल से अदालत ले जाने और वापस लाने की प्रक्रिया में सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा गरिमा का ध्यान रखा जाना चाहिए। आवश्यक सुविधाओं और संवेदनशील व्यवहार का अभाव न्यायिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी को प्रभावित नहीं करना चाहिए।(9) रिहाई के बाद पुनर्वास और सामाजिक पुनर्वास।कौशल प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर, आवश्यक परामर्श और सामाजिक सहायता महिलाओं को सम्मानपूर्वक जीवन दोबारा शुरू करने में मदद कर सकते हैं। समाज को भी पूर्व कैदियों के प्रति अंधे भेदभाव और स्थायी कलंक से बचना चाहिए। सुधार का वास्तविक परिणाम तभी सामने आएगा, जब महिला जेल से बाहर निकलकर सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन जी सके।(10) विदेशी महिला कैदियों की विशेष जरूरतें।विदेशी नागरिक महिलाओं को भाषा, परिवार से दूरी, कौसुलर संपर्क और कानूनी प्रक्रिया समझने जैसी अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।उनकी आवश्यक परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक सहायता और अधिकारों की रक्षा पर ध्यान देना भी परामर्श के दायरे में शामिल है।

साथियों बात अगर हम नौ केंद्रीय मंत्रालयों से राज्यों तक जवाबदेही की कसौटी को समझने की करें तो एनएच आरसी ने यह परामर्श नौ केंद्रीय मंत्रालयों, सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों अथवा प्रशासकों तथा संबंधित पुलिस महानिदेशकों को भेजा है। इसका उद्देश्य केवल समस्या की पहचान करना नहीं, बल्कि संबंधित प्राधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों के अनुसार सुधार की दिशा में कार्रवाई के लिए प्रेरित करना है। आयोग ने दो महाने के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट (एक्शन टेकन रिपोर्ट) प्रस्तुत करने का आग्रह किया है, ताकि उसे सिफारिशों के क्रियान्वयन की प्रगति को जानकारी मिलती रहे। यह समय-सीमा जवाबदेही का महत्त्वपूर्ण

अवसर है।हालांकि रिपोर्ट मांगे जाने और सभी सिफारिशों के वास्तव में लागू हो जाने में अंतर है। असली परीक्षा यह होगी कि संबंधित विभाग क्या कदम उठाते हैं, किन कमियों को दूर करते हैं और जमीन पर क्या बदलाव दिखाई देते हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि जेल की सलाखें स्वतंत्रता रोक सकती हैं, ईंसान की गरिमा नहीं!भारत में महिला सशक्तिकरण का अर्थ केवल महिलाओं को शिक्षा रोजगार, राजनीति और डिजिटल अर्थव्यवस्था में आगे बढ़ाना नहीं है।इसका वास्तविक अर्थ उन महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना भी है, जो किसी कारणवश जेल में बंद हैं और जिनकी आवाज सामान्य सामाजिक जीवन से दूर होने के कारण कमजोर पड़ सकतीहै। कानून के अनुसार दंड भुगतने वाली महिला भी स्वास्थ्य, स्वच्छता, सुरक्षा, सम्मान और न्यायपूर्ण व्यवहार की अधिकारी है। उसके साथ रहने वाले बच्चे तो किसी भी स्थिति में मां के कारावास के कारण उपेक्षा, असुरक्षा और भविष्य की अनिश्चितता का बोझ उठाने के लिए जिम्मेदार नहीं हैं।एनएचआरसी का 28अक्टूबर 2026 का परामर्श इस दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल है। लेकिन सवाल अब केवल सिफारिशों का नहीं, उनके प्रभावी क्रियान्वयन का है। क्या जेलों में स्वच्छ शौचालय, पर्याप्त सैनिटरी नैपकिन, पैथिक भोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, बच्चों की शिक्षा और प्रभावी कानूनी सहायता वास्तव में सुनिश्चित होगी? क्या रिहाई के बाद महिलाओं को सम्मानजनक जीवन का अवसर मिलेगा?इन प्रश्नों के उत्तर आने वाले महीनों की कार्रवाई से सामने आएंगे।जेल केवल सजा भुगतने की जगह नहीं, बल्कि सुधार, पुनर्वास और मानवीय गरिमा की रक्षा का केंद्र भी होनी चाहिए। यदि दो महीने की समय-सीमा के भीतर संबंधित अधिकारी ठोस कदम उठाते हैं और उनकी नियमित निगरानी होती है, तो यह पहल भारतीय जेल व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, न्यायपूर्ण और मानवीय बनाने की दिशा में सार्थक परिवर्तन ला सकती है। क्योंकि किसी सभ्य समाज की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि वह स्वतंत्र नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है, बल्कि इससे भी होती है कि वह अपनी हिरासत में मौजूद सबसे कमजोर व्यक्ति के अधिकारों को कितनी रक्षा करता है।

जनगणना के द्वितीय चरण की तैयारियों का डीएम कविता मीना ने लिया जायजा

एसएसवी इंटर कॉलेज में चल रहे प्रशिक्षण का किया निरीक्षण, प्रगणकों और सुपरवाइजरों को शुद्धता, पारदर्शिता और गोपनीयता बनाए रखने के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा

हापुड़। जनगणना के द्वितीय चरण की तैयारियों को व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी कविता मीना ने एसएसवी इंटर कॉलेज, हापुड़ में चल रहे जनगणना संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे जनगणना कर्मियों, प्रगणकों और सुपरवाइजरों से जनगणना की प्रक्रिया, प्रपत्र भरने के तरीके तथा मोबाइल ऐप के उपयोग के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित कार्यों को निर्देश दिए कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को पूरी जिम्मेदारी, निष्ठा और सावधानी के साथ संपन्न किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी कविता मीना

ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कर्मिकों से जनगणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने यह भी जाना कि मोबाइल ऐप के माध्यम से सूचनाओं को दर्ज करने और जनगणना से संबंधित अन्य आवश्यक कार्यों को किस प्रकार पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कर्मिकों को जनगणना की प्रक्रिया से भली-भांति परिचित कराना है, ताकि क्षेत्र में कार्य करते समय किसी प्रकार की परेशानी या त्रुटि का सामना न करना पड़े।

मोबाइल ऐप और प्रपत्र भरने में बरतें सावधानी

प्रशिक्षण के महत्व पर जोर देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सभी प्रगणक और सुपरवाइजर मोबाइल ऐप के उपयोग तथा जनगणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया को अच्छी तरह



समझ लें। डिजिटल माध्यम से जानकारी दर्ज करते समय निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन किया जाए और प्रत्येक प्रविष्टि को सावधानीपूर्वक जांचा जाए। यदि प्रशिक्षण के दौरान किसी प्रक्रिया को

लेकर कोई संशय हो, तो संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर उसे दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का उपयोग वास्तविक कार्य के दौरान किया जाएगा। इसलिए सभी कर्मिक

प्रशिक्षण सत्रों में सक्रिय भागीदारी करें और जनगणना से जुड़े प्रत्येक महत्वपूर्ण बिंदु को गंभीरता से समझें। इससे क्षेत्र में काम करते समय गलतियों की आशंका कम होगी और जनगणना का कार्य निर्धारित प्रक्रिया

घर-घर जाकर जुटाई जाए सही जानकारी

जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण और जिम्मेदारी भरा कार्य है। इसके माध्यम से एकत्र किए जाने वाले आंकड़े विभिन्न योजनाओं के निर्माण, विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार करने और प्रशासनिक आवश्यकताओं के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए प्रत्येक प्रगणक और सुपरवाइजर को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता और निष्पक्षता के साथ करना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जनगणना के दौरान घर-घर जाकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सही और पूर्ण जानकारी एकत्र की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी परिवार या पात्र मकान गणना की प्रक्रिया से छूटने न पाए। सूचनाएं दर्ज करते समय विशेष सावधानी बरती जाए तथा किसी भी जानकारी को बिना उचित पुष्टि के दर्ज न किया जाए। उन्होंने कहा कि आंकड़ों की शुद्धता जनगणना की विश्वसनीयता का महत्वपूर्ण आधार है।

घर-घर जाकर जुटाई जाए सही जानकारी

के अनुरूप संपन्न कराया जा सकेगा। जिलाधिकारी कविता मीना ने जनगणना के दौरान एकत्र की जाने वाली सूचनाओं की गोपनीयता बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि नागरिकों से प्राप्त जानकारी का उपयोग निर्धारित उद्देश्यों के अनुरूप किया जाए तथा उसकी सुरक्षा से संबंधित नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए। जनगणना कार्य

में लगे सभी कर्मिकों को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहना चाहिए और कार्य के दौरान पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनगणना की सफलता के लिए प्रशिक्षित और जिम्मेदार कर्मिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी प्रगणक एवं सुपरवाइजर प्रशिक्षण को गंभीरता से लेते हुए अपनी कार्यप्रणाली को बेहतर बनाएं, ताकि

वास्तविक गणना के दौरान किसी प्रकार की लापरवाही या त्रुटि न हो। निरीक्षण के माध्यम से जिलाधिकारी ने जनगणना प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित कर्मिकों को निर्देशित किया कि वे निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए कार्य को समयबद्ध, व्यवस्थित और शुद्धता के साथ पूरा करने के लिए तैयार रहें।

फसल अवशेष प्रबन्धन हेतु जनपद स्तरीय कृषक गोष्ठी एवं मिलेट्स रेसिपी उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

वेलकम इंडिया/हरेन्द्र शर्मा

हापुड़। जनपद में कृषि विभाग के द्वारा प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैनेनाईजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट आफ फॉप रेजिड्यू योजनान्तर्गत फसल अवशेष प्रबन्धन हेतु जनपद स्तरीय कृषक गोष्ठी एवं श्री अन्न पुनरोद्धार कार्यक्रम के अन्तर्गत मिलेट्स रेसिपी एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन नवीन मण्डी परिसर हापुड़ में प्रातः 11.00 बजे से किया गया है। कार्यक्रम का शुभारम्भ विनोद गुप्ता जी सांसद प्रतिनिधि के द्वारा फीता काट कर किया गया तथा मेले में लगाये गये स्टॉलों का निरीक्षण किया गया। कार्यक्रम में डा० ओमवीर सिंह उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी हापुड़, आशीष सक्सेना, एल०डी०एम०, केनरा बैंक हापुड़, गौरव प्रकाश जिला कृषि अधिकारी हापुड़, हिमांशु रंजन



श्रीवास्तव एवं वैज्ञानिक गणों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में कृषि एवं कृषि से सम्बन्धित अधिकारियों ने प्रतिभाग कर योजनाओं की जानकारी दी तथा कृषि, उद्यान, पशुपालन आदि विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं का

प्रदर्शन किया गया, जिसमे पराली/गन्ने की पत्ती एवं फसलो के अन्य अवशेष न जलाये जाने के सम्बन्ध में एन०जी०टी० से सम्बन्धित कृषि यन्त्रो के बारे में जानकारी दी गयी। सर्वप्रथम योगेन्द्र कुमार उप कृषि निदेशक हापुड़

के द्वारा उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों तथा कृषकों का स्वागत करते हुए कृषि विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गयी। कृषि विज्ञान केन्द्र से उपस्थित डा० अरविन्द कुमार, प्रभारी, डा० अशोक कुमार एवं डा० वीनिता वैज्ञानिको ने उपस्थित होकर कृषकों को रबी फसलों की तकनीकी जानकारी एवं कीट / रोग की पहचान तथा उनकी रोकथाम हेतु विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी हापुड़ के द्वारा पशुओं में शीत के मौसम में होने वाली

बीमारियों को रोकथाम हेतु कृषकों को जानकारी दी गयी। कृषकों को अरविन्द पपेट ग्रुप के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी फसलों की उन्नत कृषि विधियों के बारे में जानकारी दी एवं पराली न जलाने हेतु अनुरोध किया गया। इसके उपरान्त विनोद गुप्ता जी मा० सांसद प्रतिनिधि के द्वारा कृषकों को फसलों के अवशेष न जलाकर उनको खेत में मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने हेतु खाद तैयार करने एवं जन सामान्य को मिलेट्स की उपयोगिता एवं मिलेट्स रेसिपी भोजन की थाली में प्रयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कृषकों द्वारा सूक्ष्म जलपान ग्रहण किया गया तथा अन्त में योगेन्द्र कुमार, उप कृषि निदेशक, हापुड़ के द्वारा उपस्थित समस्त जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कृषकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

बाबूगढ़ पुलिस ने 3.5 लाख रुपये के अवैध पटाखों के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। जनपद में अवैध पटाखों की बिक्री, भंडारण और सप्लाई के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ पुलिस ने चेकिंग के दौरान कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान पंजाब के मोहाली जनपद के कुराली निवासी सूरजित सिंह के रूप में हुई है। वह मकान नंबर 445, कुराली

रुपये बताई गई है। पुलिस ने पटाखों की सप्लाई में इस्तेमाल किए जा रहे ऑटो को भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, थाना बाबूगढ़ पुलिस ने काली नदी पुराने हाईवे पर ग्राम उपड़ा के पास चेकिंग के दौरान कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान पंजाब के मोहाली जनपद के कुराली निवासी सूरजित सिंह के रूप में हुई है। वह मकान नंबर 445, कुराली

का निवासी बताया गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से आठ कार्टून अवैध पटाखे और घटना में प्रयुक्त पीबी 65 बीके 0633 नंबर का ऑटो बरामद किया है। मामले में थाना बाबूगढ़ पर अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई एसपी हापुड़ मधुबन कुमार के निदेशन में थाना प्रभारी बाबूगढ़ प्रवीण कुमार और पुलिस टीम द्वारा की गई।

एमएच यूनिटी स्कूल में हुआ वृक्षारोपण, प्रबंधक फिरोज आलम ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

वेलकम इंडिया/फतेह खान

शुजागंज/अयोध्या। शिक्षा क्षेत्र रूदौली के अन्तर्गत एम एच यूनिटी स्कूल खंड पिपरा शुजागंज में विद्यालय के प्रबंधक फिरोज आलम एवं प्रधानाचार्य आनन्द गुप्ता ने छात्र-छात्राओं व शिक्षकों के साथ विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया जिसमें फलदार, छायादार औषधीय पौधा रोपित किया। वृक्षारोपण के पश्चात् उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रूक्षों के बिना सुरक्षित भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती। आज बढ़ता प्रदूषण, लगातार घटते वन क्षेत्र और जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के सामने गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसे समय में वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन को सुरक्षित रखने का संकल्प है। उन्होंने यह भी कहा कि पेड़-पौधे हमें शुद्ध ऑक्सीजन, स्वच्छ वातावरण, छाया,



फल व प्राकृतिक संतुलन प्रदान करते हैं। यदि पर्यावरण को बचाना है तो प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। वृक्षारोपण के साथ-साथ पौधों की नियमित देखभाल भी करे। प्रबन्धक ने छात्र-छात्राओं से अपील करते हुए कहा कि वे पर्यावरण संरक्षण का संदेश घर-घर तक पहुंचाएं और अपने परिवार

व समाज के लोगों को भी अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से ही धरती को हरा-भरा, स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाया जा सकता है। इस अवसर पर आनंद गुप्ता, सुशील कुमार, मो तौसीफ, मो तारिक आदित्य गुप्ता, अनुज कुमार सीमा सिंह ललित तिवारी सहित समस्त छात्र छात्राएं शिक्षक गण मौजूद रहे।

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। जेएमएस वर्ल्ड स्कूल, हापुड़ में आयोजित चार दिवसीय जेएमएस खेल महोत्सव-2026 के तीसरे दिन फुटबॉल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। अंडर-14 वर्ग में मेजबान जेएमएस वर्ल्ड स्कूल ने ब्रेनवेक्स इंटरनेशनल स्कूल को 2-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि अंडर-19 वर्ग में सेवंथ डे एडवेंटिस्ट सीनियर स्कूल ने जेएमएस वर्ल्ड स्कूल को 4-1 से पराजित कर जीत दर्ज की। खेल महोत्सव का शुभारंभ एकलव्य सिंह सहारा, एनसीआर अध्यक्ष, भारतीय किसान यूनियन; डॉ. सुदर्शन त्यागी, स्पोर्ट्स हेड, एसएसवी डिग्री कॉलेज; डॉ. रोहन सिंघल, सचिव, जेएमएस ग्रुप; आयुष सिंघल,



मैनेजिंग डायरेक्टर, जेएमएस ग्रुप और विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. निधि मलिक ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्य अतिथि एकलव्य सिंह सहारा ने कहा कि खेल विद्यार्थियों में

अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करते हैं। वर्तमान समय में खेल मनोरंजन के साथ-साथ करियर निर्माण का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से निरंतर अभ्यास करने और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने का आह्वान किया। डॉ. सुदर्शन त्यागी ने बताया कि

खेल महोत्सव 26 से 29 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। इसका समापन 29 अक्टूबर को एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के साथ होगा। प्रधानाचार्य डॉ. निधि मलिक ने बताया कि तीसरे दिन आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में लगभग 16 विद्यालयों की टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में ब्रेनवेक्स इंटरनेशनल स्कूल, सेवंथ डे

एडवेंटिस्ट सीनियर स्कूल और एनएस टर्फ सहित विभिन्न टीमों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा निखारने और प्रमुख प्रतिस्पर्धा के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। आयोजन सचिव दीपांशु गर्ग ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने उत्साह, अनुशासन और खेल की शील का शानदार प्रदर्शन किया। आयोजन को सफल बनाने में अंकुर, अमित प्रताप, निशांत, सलीमा, स्पर्श, प्रिंस सहित खेल विभाग के सदस्यों और विद्यालय के समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जेएमएस खेल महोत्सव विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ अनुशासन, टीमवर्क और खेल भावना जैसे महत्वपूर्ण गुण सीखने का अवसर प्रदान कर रहा है।

अमरोहा सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर ने स्व. अमित तंवर के परिजनों को बंधाया ढांढस



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर ने अपने संसदीय क्षेत्र अमरोहा के अंतर्गत विधानसभा गढ़मुक्तेश्वर के ग्राम हिरणपुरा पहुंचकर स्व. अमित तंवर के आवास पर उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने गंभीर बीमारी

के कारण हुए अमित तंवर के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। सांसद ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए ईश्वर से शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण में अहम भूमिका निभाएंगी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। जिलाधिकारी कविता मीना के मार्गदर्शन में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण हापुड़ के तत्वावधान में एसएसवी डिग्री कॉलेज में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए आपदा प्रबंधन एवं जोखिम न्यूनीकरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 100 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को प्राकृतिक एवं अन्य आपदाओं के दौरान सुरक्षा उपायों, प्राथमिक सहायता, राहत एवं

बचाव कार्यों तथा आपदा से पहले की तैयारियों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में सैयद शहबाज हाशमी, घनेन्द्र पाल, मयंक, अमन और फैसल ने विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। सैयद शहबाज हाशमी ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं पूर्व तैयारी के महत्व को समझाया। घनेन्द्र पाल ने भूकंप के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। मयंक ने बाढ़ एवं अतिवृष्टि से बचाव के तरीके बताए, जबकि अमन ने अग्निकांड और घरेलू आग से बचाव



के उपायों पर प्रकाश डाला। वहीं, फैसल ने आंधी-तूफान एवं वज्रपात के दौरान सावधानियां बरतने की जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अपने परिवार और समुदाय को आपदाओं के प्रति जागरूक बनाकर जन-धन की हानि कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और दिव्यांगजनों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की अपील की। कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्हें

जागरूकता कार्यक्रम में मिली जानकारी को अपने परिवारों, स्वयं सहायता समूहों और आसपास के लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया गया कि आपदा प्रबंधन केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाएं जागरूकता और सामुदायिक सहयोग के माध्यम से अहम योगदान दे सकती हैं। आयोजन एवं संचालन: जिला आपदा विशेषज्ञ, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, हापुड़।

साइबर ठगी के पीड़ित को हापुड़ पुलिस ने वापस कराए 42,900 रुपये



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ की साइबर क्राइम टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित की ठगी गई पूरी धनराशि 42,900 रुपये वापस कराने में सफलता हासिल की। हापुड़ पुलिस की इस कार्रवाई से पीड़ित को राहत मिली। पुलिस की अपील: साइबर ठगी होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। किसी अनजान व्यक्ति के साथ अपने बैंक खाते की जानकारी, ओटीपी, पिन और सीवीवी नंबर साझा न करें।

ठगी का शिकार हो गए थे। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में थाना बाबूगढ़ की साइबर क्राइम टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित की ठगी गई पूरी धनराशि 42,900 रुपये वापस कराने में सफलता हासिल की। हापुड़ पुलिस की इस कार्रवाई से पीड़ित को राहत मिली। पुलिस की अपील: साइबर ठगी होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। किसी अनजान व्यक्ति के साथ अपने बैंक खाते की जानकारी, ओटीपी, पिन और सीवीवी नंबर साझा न करें।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने चमोली को दी 231.91 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात

गैरसैंण में 12 योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास, पेयजल, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा सुविधाओं को मिलेगी मजबूती

वेलकम इंडिया/ओपी उनियाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गैरसैंण (भराड़ीसैंण) में जनपद चमोली के विकास को गति देते हुए 231.91 करोड़ रुपये की लागत वाली 12 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 197.87 करोड़ रुपये की छह योजनाओं का शिलान्यास तथा 34.04 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुई छह योजनाओं का लोकार्पण शामिल है। इन योजनाओं के माध्यम से क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति, सड़क संपर्क, शिक्षा, स्वास्थ्य, भू-धंसाव से सुरक्षा तथा पुलिस और अग्निशमन सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास योजनाओं का उद्देश्य आम जनता को बेहतर बुनियादी सुविधाएं



उपलब्ध कराना और क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप आधारभूत ढांचे को मजबूत करना है। गैरसैंण और आसपास के क्षेत्रों में इन परियोजनाओं के पूरा होने से स्थानीय लोगों को विभिन्न सुविधाओं का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री द्वारा जिन छह योजनाओं का शिलान्यास किया गया,

उनमें सबसे प्रमुख 122.69 करोड़ रुपये की लागत से रामगंगा नदी पर बांध निर्माण की योजना है। इसके माध्यम से गैरसैंण शहर और आसपास की आबादी को पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था को मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है। यह परियोजना क्षेत्र की पेयजल आवश्यकताओं को

पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसके अतिरिक्त कर्णप्रयाग विकासखंड के बहुगुणानगर में 50 करोड़ 18 लाख 68 हजार रुपये की लागत से भू-धंसाव से सुरक्षा संबंधी कार्यों का शिलान्यास किया गया। इस परियोजना का उद्देश्य प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी उपायों को मजबूत करना

और स्थानीय आबादी को भू-धंसाव से होने वाले संभावित नुकसान से बचाने के प्रयासों को आगे बढ़ाना है।

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने 12 करोड़ 16 लाख 64 हजार रुपये की लागत से राजकीय पॉलिटेक्निक गैरसैंण के

भवन निर्माण का शिलान्यास किया। इस परियोजना से तकनीकी शिक्षा के लिए आवश्यक भवन संबंधी सुविधाओं के विकास को गति मिलेगी। इसके साथ ही 22 लाख 75 हजार रुपये की लागत से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय बहुवाबाण में भवन अनुसंधान कार्य का भी

शिलान्यास किया गया। इससे संबंधित स्वास्थ्य संस्थान की भवन संबंधी सुविधाओं के रखरखाव और सुधार का कार्य किया जाएगा।

क्षेत्र में आवागमन को सुगम बनाने और सड़क संपर्क को बेहतर करने के उद्देश्य से दो सड़क संबंधी योजनाओं का भी शिलान्यास किया गया। इनमें 6 करोड़ 99 लाख 20 हजार रुपये की लागत से कुमोली रैवान मोटर मार्ग के किलोमीटर दो से फरखण्डे मोटर मार्ग से संबंधित कार्य तथा 5 करोड़ 60 लाख 50 हजार रुपये की लागत से गैरसैंण-पज्याणा मोटर मार्ग के किलोमीटर दो से कुमोली रैवान मोटर मार्ग से संबंधित कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्रीय सड़क संपर्क को बेहतर बनाने की दिशा में काम किया जाएगा। सड़क सुविधाओं में सुधार से स्थानीय लोगों

को आवागमन में सहूलियत मिलने के साथ क्षेत्र की अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान बनाने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने 34.04 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुई छह विकास योजनाओं का लोकार्पण भी किया। इनमें सड़क सुधार, शैक्षणिक भवन और पुलिस एवं अग्निशमन सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। सड़क संपर्क को बेहतर बनाने के लिए 14 करोड़ 82 लाख 32 हजार रुपये की लागत से खजुरखाल-भण्डारीखोड़-कुनीगाड़ मोटर मार्ग (बहुवाबाण-चोखुटिया) के उच्चीकरण कार्य का लोकार्पण किया गया। इस कार्य से संबंधित मार्ग की स्थिति में सुधार और आवागमन को सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा 4 करोड़ 37 लाख 86 हजार रुपये की लागत से राजकीय इंटर कॉलेज गैरसैंण में निर्मित सभागार भवन का लोकार्पण किया गया।

ब्रजरज उत्सव 2026 में छारा स्वदेशी का जादू, ओडीओपी और खादी उत्पादों पर उमड़ रही भीड़

खादी के कपड़ों से लेकर मिट्टी के उत्पादों तक स्वदेशी सामानों की जमकर हो रही खरीदारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। कान्हा की नगरी में पूरी भव्यता के साथ चल रहे 'ब्रजरज उत्सव 2026' में स्वदेशी उत्पादों, ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद), खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों का रंग पर्यटकों और श्रद्धालुओं पर खूब चढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की दूरदर्शी नीतियों के चलते पारंपरिक कारीगरी और आधुनिक डिजाइन के बेहतरीन मेल ने ग्राहकों को अपनी ओर खींचने में बड़ी सफलता हासिल की है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा आयोजित ब्रजरज उत्सव में लगे खादी और ओडीओपी के स्टॉलों पर कपड़ों, हस्तशिल्प और सजावटी सामानों की खरीदारी के लिए भारी भीड़ उमड़ रही है, जो न केवल स्थानीय कारीगरों को रोजगार दे रही है, बल्कि ‘वोकल फॉर लोकल’ के संदेश को भी मजबूत कर रही है। योगी



सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) के तहत उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के उत्पाद भी ब्रजरज उत्सव में लोगों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बने हुए हैं। मेले में आगरा के चमड़े के उत्पाद, फिरोजाबाद की कांच की चूड़ियां, वाराणसी की सिल्क साड़ियां, लखनऊ की चिकनकारी, कन्नौज का इत्र, मथुरा की पोशाक, कंठी माला, वाराणसी की जारी जरदोजी और सिल्क साड़ी, चंदौली की जारी

जरदोजी, मुजफ्फरनगर का मशहूर गुड़, प्रयागराज के मूँज उत्पाद, कानपुर के चर्म उत्पाद, अलीगढ़ ब्रास एवं टेक्सटाइल, आगरा लैडर मार्बल उत्पाद और मैनपुरी की तारकशी कला सहित प्रदेश के विभिन्न जनपदों के स्टॉल लगे हैं। स्वदेशी सामान की खरीदारी के बीच स्थानीय कारीगरों के हुनर और देश में बने उत्पादों को अपनाने का संदेश हर तरफ दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से उत्सव में

ओडीओसी के स्टॉल पर ब्रज के स्वाद की धूम

उत्सव में एक जिला एक व्यंजन (ओडीओसी) योजना के तहत ब्रज के पारंपरिक और स्वादिष्ट व्यंजनों की विशेष स्टॉल लगाए गए हैं। पर्यटक मथुरा का ओडीओसी में शामिल मशहूर पेड़े और अन्य स्थानीय व्यंजनों का जमकर लुत् उठा रहे हैं। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि ब्रजरज उत्सव में विभाग की ओर से खादी और ग्रामोद्योग की कुल 21 स्टॉल लगाई गई हैं। मेले में वाराणसी, मथुरा, लखनऊ, आगरा, फिरोजाबाद, एटा और मैनपुरी आदि जनपदों के स्टॉलों पर हस्तनिर्मित आभूषण, मिट्टी से बने उत्पाद, हर्बल सामग्री, जैविक गुड़ और अगरबत्ती उपलब्ध हैं। लोग अपनी जरूरत के हिसाब से जमकर खरीदारी कर रहे हैं, जिससे कारीगरों को बहुत आर्थिक लाभ हो रहा है। उपायुक्त उद्योग वृंद्भान सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप ब्रजरज उत्सव में ओडीओपी और ओडीओसी के उत्पादों को एक बड़ा और शानदार मंच प्रदान किया गया है। मेले में विभाग द्वारा कुल 40 स्टॉल लगाई गई हैं। इससे न केवल स्थानीय उद्यमियों और छोटे कारीगरों के उत्पादों को बड़ा बाजार मिल रहा है, बल्कि स्वदेशी उत्पादों को वैश्विक पहचान भी मिल रही है। यह मेला आत्मनिर्भर भारत के सपने को धरातल पर उतार रहा है।

खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री के लिए 21 भव्य स्टॉल लगवाए गए हैं। इन स्टॉलों की खासियत यह है कि यहां केवल पारंपरिक खादी के कपड़े ही नहीं, बल्कि बदलते फैशन और युवाओं की पसंद के अनुरूप तैयार किए गए आधुनिक डिजाइन

के परिधान भी उपलब्ध हैं। खादी का आकर्षण केवल पहनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वदेशी परंपरा, कारीगरों के हुनर और आत्मनिर्भरता से भी गहराई से जुड़ा है। इको-फ्रेंडली होने के कारण इसकी मांग लगातार बढ़ रही है।

मलसराय के अनुरुद्ध फौजदार ने बीच रेसलिंग में जीता गोल्ड मेडल, गांव में हुआ भव्य स्वागत

17 नवंबर को अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में दिखाएंगे दमखम

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। क्षेत्र के गांव मलसराय निवासी अनुरुद्ध फौजदार पुत्र सतीश कुमार ने अपनी शानदार खेल प्रतिभा के दम पर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। 24 अक्टूबर को उत्तराखंड के हरिद्वार में आयोजित बीच रेसलिंग नेशनल प्रतियोगिता में अनुरुद्ध ने गोल्ड मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनकी इस उपलब्धि से गांव और क्षेत्र में खुशी की लहर है। गोल्ड मेडल जीतकर गांव लौटने पर अनुरुद्ध फौजदार का ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान विनोद चौधरी, अजय पाल, विष्णु, रमेश हवलदार, कैलाश हवलदार, अरुण सिंह, संतोष चौधरी, दीपक चौधरी और मदन प्रधान सहित अन्य लोगों ने उनका स्वागत कर उत्साहवर्धन



किया। ग्रामीणों ने अनुरुद्ध की उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए इसे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। अनुरुद्ध फौजदार की सफलता के साथ ही अब उनके सामने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर है। आगामी 17 नवंबर को वह

अफगानिस्तान में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्रवासियों को उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। ग्रामीणों ने विश्वास जताया कि अनुरुद्ध अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी शानदार प्रदर्शन कर देश और क्षेत्र का गौरव बढ़ाएंगे।

करवाचौथ से पहले विवाहिता की मौत: बाथरूम में इस हाल में मिली लाश

मथुरा। मथुरा के मोतीनगर, बालाजीपुरम में बुधवार दोपहर करीब 12 बजे 25 वर्षीय मोना का शव बाथरूम में फंसे पर लटका मिला। घटना के बाद ससुराल पक्ष के लोग भाग गए। सूचना पर मायके पक्ष के लोग और थाना हाईवे पुलिस मौके पर पहुंच गई। उधर, फील्ड यूनिट ने घटना के साक्ष्य एकत्रित कर किए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मोतीनगर, बालाजीपुरम के ही निवासी लालवीर सिंह ने थाने में दी शिकायत के अनुसार, उनकी बेटी मोना की शादी करीब पांच साल पहले अर्जुन सिंह से हुई थी। दंपती की दो बेटियां दो वर्षीय कृति और एक वर्षीय लवन्ना हैं। अर्जुन मुजफ्फरनगर में यूपी पुलिस में सिपाही के पद पर तैनात है। लालवीर सिंह ने बताया कि शादी में करीब 22 लाख रुपये खर्च किए गए थे। इसमें 15 लाख रुपये नकद और अन्य घरेलू सामान शामिल था। आरोप है कि इसके बावजूद ससुराल पक्ष अतिरिक्त दहेज में बड़ी कार की मांग कर रहा था।

चंद्र सरोवर में बहेगी श्रीमद्भागवत कथा की अमृतधारा, 29 अक्टूबर से सजेगा भक्ति और रासलीला का दरबार सूरश्याम गौशाला सूरकुटी परासौली में 19वें सूर-श्याम गौ आराधन महोत्सव का होगा भव्य आयोजन, संत-महात्माओं का भी मिलेगा पावन सानिध्य

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन । ब्रजभूमि की पावन धरा पर स्थित चंद्र सरोवर के समीप सूरश्याम गौशाला, सूरकुटी परासौली में 29 अक्टूबर से 20 वें सूर-श्याम गौ आराधन महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के अंतर्गत श्रीमद्भागवत पीपूय वर्षण, नित्य रासलीला और संत-महात्माओं के पावन सानिध्य में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। महोत्सव में अनंत श्रीविभूषित श्रीमज्जगद्गुरु श्री अग्रपीठाधीश्वर एवं मल्कपीठाधीश्वर श्री राजेंद्रदास देवाचार्य जी महाराज श्री रैवासा-वृंदावन धाम के श्रीमुख से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया जाएगा। कथा के माध्यम से



भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं, भक्ति, प्रेम और धर्म के संदेशों का प्रसार होगा। आयोजकों के अनुसार, पिछले 19 वर्षों से सूर-श्याम गौ आराधन महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव के दौरान 29 अक्टूबर से 4 नवंबर तक प्रतिदिन नित्य रासलीला का आयोजन

होगा। इसका निर्देशन रासाचार्य स्वर्गीय श्री राम शर्मा जी के सुपुत्र श्री कुंजबिहारी भैया जी करेंगे। रासलीला मंडल वृंदावन के कलाकार भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का मनोहारी मंचन कर ब्रज की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपरा को जीवंत करेंगे। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर पूज्य श्री

गुरूशरणांनंद जी महाराज, रमणरेती गोकुल, आचार्य गोस्वामी पूज्य पंकज लाल जी महाराज श्री, पूज्य भूषण बाबा महाराज श्री, पूज्य किशोर दास देव जू महाराज, पूज्य रामप्रवेश दास जी महाराज, पूज्य बिहारीदास जी महाराज भक्तमाली, पूज्य सियाराम दास जी महाराज और पूज्य मदन मोहन दास जी महाराज सहित अनेक संत-महात्माओं का पावन सानिध्य प्राप्त होगा। महोत्सव के मनोरंथी सुनिश्च निवासी श्री रश्मि भाई भीम जयानी एवं श्रीमती रेखा रश्मि भीम जयानी हैं। आयोजन के अंतर्गत 6 नवंबर को दोपहर 12 बजे भंडारा एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने और रासलीला के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

उमापति इंटर कॉलेज में साइबर जागरूकता कार्यक्रम, विद्यार्थियों को ऑनलाइन टगी से बचाव के बताए तरीके

पुलिस टीम ने अज्ञात कॉल, फर्जी लिंक, वयूआर कोड और एपीके फाइल से होने वाली धोखाधड़ी के प्रति किया जागरूक, साइबर टगी होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करने की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और विद्यार्थियों सहित आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मेहंदावल थाना क्षेत्र के उमापति इंटर कॉलेज, मिश्रीलिया मिश्र में साइबर जागरूकता एवं साइबर सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम थाना संतकबीरनगर अमित कुमार के पर्यवेक्षण में साइबर थाना एवं थाना मेहंदावल की संयुक्त टीम ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी। साथ ही साइबर अपराधों से बचने के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तार से समझाया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस

टीम ने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी लोगों को अलग-अलग प्रलोभन देकर उनकी व्यक्तिगत और बैंकिंग संबंधी जानकारी हासिल करने का प्रयास करते हैं। कभी सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, कभी घर बैठे काम करके कमाई करने और कभी लॉटरी या अन्य आकर्षक प्रस्तावों का झांसा देकर लोगों को ठगी का शिकार बनाया जाता है। ऐसे में किसी भी अनजान व्यक्ति पर आंख मूंदकर भरोसा करने के बजाय सतर्क रहना बेहद जरूरी है। पुलिस टीम ने छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकगण को अज्ञात फोन कॉल, संदिग्ध लिंक, फर्जी ई-मेल, लॉटरी के प्रस्ताव, वयूआर कोड स्कैन करने और फर्जी क्रेडिट सदियों के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा घर बैठे नौकरी देने के नाम पर टगी, पुलिस अधिकारी बनकर डराने या पैसे मांगने तथा एपीके फाइल



भेजकर मोबाइल में सेंध लगाने जैसे साइबर अपराधों के प्रति भी आगाह किया गया। विद्यार्थियों को समझाया गया कि साइबर अपराधी कई बार स्वयं को पुलिस अधिकारी, बैंक कर्मचारी या सरकारी विभाग का प्रतिनिधि बताकर लोगों को विश्वास में लेते हैं। इसके बाद उन्हें किसी बहाने से फोन पर बातचीत, सम्मेलन कॉल या संदिग्ध संदेशों के जरिए अपने जाल में फंसाते

हैं। सरकारी लाभ दिलाने, खाते में पैसे भेजने या नौकरी दिलाने का झांसा देकर भी लोगों से गोपनीय जानकारी हासिल की जाती है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि किसी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजी गई एपीके फाइल को मोबाइल में स्थापित नहीं करना चाहिए। इसी प्रकार संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने, अनजान वयूआर कोड स्कैन करने या किसी अपरिचित व्यक्ति के कहने पर मोबाइल

में कोई आवेदन स्थापित करने से बचना चाहिए। थोड़ी-सी लापरवाही भी आर्थिक नुकसान का कारण बन सकती है। कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों ने विद्यार्थियों और शिक्षकों से अपील की कि वे अपने बैंक खाते का विवरण, एटीएम संबंधी गोपनीय जानकारी, एक बार इस्तेमाल होने वाला पासवर्ड (ओटीपी), पासवर्ड और अन्य व्यक्तिगत जानकारीयां किसी के साथ

साझा न करें। सोशल मीडिया पर आने वाले संदिग्ध संदेशों और आकर्षक प्रस्तावों की सत्यता जांचे बिना उन पर भरोसा न करें। पुलिस टीम ने बताया कि साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। किसी भी व्यक्ति को फोन पर अपनी गोपनीय जानकारी देने से पहले उसकी पहचान की पुष्टि

करनी चाहिए। यदि कोई व्यक्ति खुद को पुलिस अधिकारी या सरकारी कर्मचारी बताकर पैसे की मांग करता है अथवा गिरफ्तारी का भय दिखाता है, तो घबराने के बजाय संबंधित विभाग से आधिकारिक माध्यम से संपर्क करना चाहिए। साइबर जागरूकता कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों को बताया गया कि यदि किसी के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी होती है, तो बिना देर किए साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करें। इसके अलावा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल cybercrime.gov.in पर भी शिकायत की जा सकती है। पुलिस ने बताया कि साइबर टगी की सूचना जल्द देने से संबंधित लेनदेन की जांच और धनराशि को रोकने के प्रयासों में मदद मिल सकती है। इसलिए पीड़ित को शिकायत करने में देरी नहीं करनी चाहिए तथा लेनदेन से संबंधित संदेश, फोन नंबर, बैंक विवरण

और अन्य उपलब्ध साक्ष्य सुरक्षित रखने चाहिए। उमापति इंटर कॉलेज में आयोजित इस गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को साइबर अपराधों के बदलते तरीकों से परिचित कराना तथा डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करना रहा। पुलिस टीम ने अपील की कि विद्यार्थी स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी ऑनलाइन टगी से बचने के उपायों की जानकारी दें। कार्यक्रम में साइबर थाना प्रभारी दिलीप सिंह, महिला मुख्य आरक्षी अमृता सिंह, आरक्षी रामप्रवेश मद्देशिया, आरक्षी संदीप सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस टीम ने कहा कि साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए जनजागरूकता और सतर्कता आवश्यक है। डिजिटल सुविधाओं का सावधानीपूर्वक उपयोग करके ऑनलाइन धोखाधड़ी के जोखिम को कम किया जा सकता है।



सीएम योगी से मिले विधायक बाबूराम पासवान

माधोटांडा के शहरीकरण और सामूहिक कन्या विवाह के लिए सौंपे पत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक बाबूराम पासवान ने सोमवार शाम लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र और जनपद से जुड़े दो महत्वपूर्ण मुद्दों को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाते हुए संबंधित पत्र सौंपे। इन्में माधोटांडा ग्राम पंचायत को नगर पंचायत का दर्जा दिलाने और पीलीभीत में चालू वित्तीय वर्ष के दौरान सामूहिक कन्या विवाह का आयोजन कराने की मांग शामिल है। विधायक की ओर से मुख्यमंत्री को सौंपे गए पत्र के अनुसार, महत्वापूर्ण मुद्दों को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाते हुए संबंधित पत्र सौंपे। इन्में माधोटांडा ग्राम पंचायत को नगर पंचायत का दर्जा



14 हजार मतदाता हैं। पत्र में कहा गया है कि माधोटांडा में गोमती उद्गम स्थल होने के कारण इसका धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से भी महत्व है। क्षेत्र की बढ़ती आबादी और विकास की जरूरतों को देखते हुए इसे नगर पंचायत का दर्जा दिए जाने की मांग की गई है। विधायक ने मुख्यमंत्री से इस

संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया। दूसरे पत्र में विधायक ने जनपद पीलीभीत में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत इस योजना का लाभ मिल सके विधायक आयोजित कराने का मुद्दा उठाया। पत्र में उल्लेख किया गया है कि सामूहिक विवाह के लिए लगभग 1,600 शादियां

कराई जानी शेष हैं। विधायक ने इसे आवश्यक बताते हुए जिलाधिकारी पीलीभीत को निर्देशित कर आयोजन कराने की मांग की, ताकि पात्र जोड़ों को योजना का लाभ मिल सके विधायक बाबूराम पासवान ने मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद साक्षा की गई जानकारी में बताया कि उन्होंने दोनों विषयों पर

विस्तार से चर्चा की। उनके अनुसार, मुख्यमंत्री ने जनहित से जुड़े इन मुद्दों को गंभीरता से सुना और सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन दिया। माधोटांडा को नगर पंचायत का दर्जा मिलने से स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों, नागरिक सुविधाओं और नियोजित शहरी व्यवस्था को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं, सामूहिक कन्या विवाह के आयोजन से पात्र परिवारों को अपनी बेटियों के विवाह में सहायता मिलने का रास्ता साफ हो सकता है। अब इन दोनों प्रस्तावों पर शासन स्तर से होने वाली आगामी कार्रवाई पर लोगों की निगाहें रहेंगी। हालांकि, नगर पंचायत का दर्जा देने और सामूहिक विवाह आयोजन की अंतिम स्थिति शासन के निर्णय एवं संबंधित विभागों की कार्रवाई के बाद ही स्पष्ट होगी।



विवरण के सत्यापन और आयुष्मान कार्ड जारी करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया। प्रशिक्षण में सूचना निदेशालय मुख्यालय के साथ प्रदेश के सभी जिला सूचना कार्यालयों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। सूचना निदेशक विशाल सिंह ने कहा कि पोर्टल को सरल और सुगम बनाया गया है, ताकि मान्यता प्राप्त पत्रकारों और उनके परिजनों को केशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ आसानी से मिल सके। उन्होंने प्रदेश के सभी जनपदीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन मान्यता प्राप्त पत्रकारों और उनके आश्रितों के आयुष्मान कार्ड अभी तक नहीं बने

हैं, उनका विवरण सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करते हुए एक सप्ताह के भीतर पोर्टल पर अपलोड किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि निर्धारित समयसीमा में की गई कार्रवाई की जानकारी मुख्यालय को उपलब्ध कराई जाए, जिससे आगे की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जा सके। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता न बरतने की हिदायत भी दी गई। बैठक में वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी संजय कुमार सिंह, सहायक निदेशक सतीश चन्द्र भारती, डॉ. जितेन्द्र प्रताप सिंह, अमित कुमार यादव सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

खेल मैदान में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, तालियों से गूंजा परिसर

विजेता खिलाड़ियों को मेडल और शील्ड देकर बढ़ाया उत्साह

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती

पूरनपुर/पीलीभीत। संकुल भगवंतापुर की एक दिवसीय संकुल स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता उच्च प्राथमिक विद्यालय भगवंतापुर के प्रांगण में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अलग-अलग स्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को मेडल और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रशासक मानसी अपूर्व सिंह ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान बच्चों ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किए। इसके बाद ब्लॉक प्रशासक मानसी अपूर्व सिंह और ग्राम प्रशासक सतीश गिरि ने 50 मीटर दौड़ को हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिता की शुरुआत कराई। प्राथमिक



स्तर की 50 मीटर दौड़ में पताबोड़ी की कपिल और भगवंतापुर की हिमांशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर दौड़ में कपिल और शारदा देवी प्रथम रहे, जबकि 200 मीटर दौड़ में भगवंतापुर के कासिब और हेमलता ने बाजी मारी। 400 मीटर दौड़ में पताबोड़ी के शिवम और खोरी नौबगमद की नैन्सी प्रथम रही। लंबी कूद में लोहरपुरा के विनीत और पताबोड़ी की लक्ष्मी ने पहला स्थान

हासिल किया। कबड्डी में पताबोड़ी की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जूनियर स्तर की 100 मीटर दौड़ में टंडा छत्रपति ने विजेता प्रतिभागियों को मेडल एवं शील्ड देकर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष सूर्यप्रकाश गंगवार, ग्राम प्रशासक सतीश गिरि, व्यायाम शिक्षक अर्जुन सिंह गंगवार, विश्वनाथ सिंह कुशवाहा, पूरनलाल, सुरेशचंद्र गंगवार, शुभम शुक्ला, मुकेश बाबू, विशाल चौहान, राम आसरे, नूपुर पांडेय, रिकी कुमारी, सर्वेश कुमार, गमा सिंह, विनोद कुमार, सुर्वेश्वरी, सायमा और वेदप्रकाश सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

पताबोड़ी की मोहिनी प्रथम और शिल्पी द्वितीय रही। चक्का फेंक सहित अन्य स्पर्धाओं में भी बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिता में ऊंची कूद, लंबी कूद, रिले रेस, खो-खो, कबड्डी और सुलेख जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। समापन अवसर पर ब्लॉक प्रशासक मानसी अपूर्व सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी विजय बीरेंद्र सिंह और नोडल संकुल भगवंतापुर, विश्वनाथ सिंह कुशवाहा, पूरनलाल, सुरेशचंद्र गंगवार, शुभम शुक्ला, मुकेश बाबू, विशाल चौहान, राम आसरे, नूपुर पांडेय, रिकी कुमारी, सर्वेश कुमार, गमा सिंह, विनोद कुमार, सुर्वेश्वरी, सायमा और वेदप्रकाश सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ यात्रा को सफल बनाने में जुटेगी भाजपा

पीलीभीत में संगठनात्मक बैठक, ब्रज क्षेत्रीय अध्यक्ष पूरनलाल लोधी ने कार्यकर्ताओं को दिए दिशा-निर्देश

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती

पीलीभीत। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर बुधवार को ह्यलोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ यात्राह्म के संबंध में संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों और अभियानों को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई। मुख्य अतिथि ब्रज क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष पूरनलाल लोधी ने कार्यकर्ताओं को संगठन की गतिविधियों को गति देने और निर्धारित कार्यक्रमों की तैयारियों में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री मंगली प्रसाद वर्मा ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ



हुआ। मुख्य अतिथि पूरनलाल लोधी ने कार्यकर्ताओं को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी के प्रस्तावित ब्रज क्षेत्र प्रवास की जानकारी दी। उन्होंने उनके आगमन से जुड़े कार्यक्रमों की

रूपरेखा तैयार करने तथा आगामी संगठनात्मक अभियानों को प्रभावी ढंग से संपन्न कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संगठन की योजनाओं को धरातल पर उतारने में कार्यकर्ताओं की

सक्रियता और आपसी समन्वय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के बीच विचार-विमर्श किया गया। जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि आगामी अभियानों में पीलीभीत जिले की पार्टी इकाई पूरी सक्रियता के साथ भागीदारी निभाएगी और संगठन की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करेगी। बैठक में क्षेत्रीय महामंत्री राजेश्वर सिंह पटेल, क्षेत्रीय मंत्री सतनाम सिंह, महेश योगी, अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनिर्वाचित क्षेत्रीय अध्यक्ष अकलीम मलिक, पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा, पूर्व विधायक किशन लाल राजपूत, नगर

पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. दलजीत कौर तथा मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा बीसलपुर ब्लॉक प्रमुख अशोक शर्मा, ललौरीखेड़ा ब्लॉक प्रमुख अजय गंगवार, अमरिया ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह, बिलसंडा ब्लॉक प्रमुख महीप सिंह, पूरनपुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह निर्विकार, जिला महामंत्री अनुराग अग्निहोत्री, जिला उपाध्यक्ष आयुष मिश्रा, लेखराज भारती, विकास श्रीवास्तव, अतेंद्रपाल सिंह, रेखा सिंह गंगवार, मान सिंह राठौर, जिला मंत्री सत्यपाल वर्मा, अमित कुशवाहा, नागेंद्र प्रताप, विकास वाल्मीकि, पंकज तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी अभिमन्यु गंगवार, सह मीडिया प्रभारी दीपक सोनकर तथा बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती

पीलीभीत। किराए का कमरा देखने के बहाने महिला को झंसे में लेकर उसके गहने लूटने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 72 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से महिला का मंगलसूत्र, सोने के टॉप्स और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटर साइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने किराए पर कमरा देखने का बहाना बनाकर महिला से संपर्क किया और इसी दौरान उसे अपने झंसे में ले लिया। इसके बाद उसके आभूषण लूटकर आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़िता ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मामले की जांच शुरू की गई। वारदात को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आरोपियों की तलाश में जुटकर सुराग जुटाए। जांच



के दौरान मिली जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने दोनों सदियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से लूटे गए आभूषणों में मंगलसूत्र और टॉप्स बरामद किए गए। इसके साथ ही घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले ली। पुलिस की इस कार्रवाई को घटना के शीघ्र खुलासे के रूप में देखा जा रहा है। महज 72 घंटे के भीतर दो आरोपियों की गिरफ्तारी और लूटे गए सामान की

बरामदगी से मामले की जांच में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटा सकती है। इस घटना से लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। अनजान व्यक्तियों को किराए का कमरा दिखाते या उनसे बातचीत करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देनी चाहिए, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

किशोरी लापता, पिता ने थाने पहुंचकर लगाई बरामदगी की गुहार

कांधला (वेलकम इंडिया)। कस्बे के एक मोहल्ले से 17 वर्षीय किशोरी सदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारियों में तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। किशोरी के पिता ने थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और बेटी की बरामदगी की गुहार लगाई है। पुलिस किशोरी की तलाश में लगी हुई है। बुधवार को कस्बे के एक मोहल्ला निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि परिवार के अन्य सदस्य खेतों पर मजदूरी करने गए हुए थे। इस दौरान उसकी 17 वर्षीय पुत्री घर पर अकेली थी। आरोप है कि किशोरी खाना बनाने के बाद पानी लेने गई थी, लेकिन वापस घर नहीं लौटी। काफी देर तक उसके वापस नहीं आने पर परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद उन्होंने आसपास के स्थानों और रिश्तेदारियों में उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पीड़ित पिता ने बेटी के साथ अनहोनी होने की आशंका जताते हुए पुलिस से उसे जल्द बरामद करने की मांग की है।

17 साल पुराने सड़क हादसे के मामले में आरोपी गिरफ्तार



वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। पुलिस ने 17 साल पुराने सड़क हादसे के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर पुलिस ने जेल भेज दिया है। थाना क्षेत्र के गांव भभीसा निवासी रामपाल गाड़ी चलाता था। वर्ष 2009 में गांव के निकट हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल ने अपना चिकित्सकीय

परीक्षण कराने के बाद थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। न्यायालय के आदेश पर बुधवार को पुलिस ने आरोपी रामपाल को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उसका जुबकन ने अपना चिकित्सकीय परीक्षण कराया और थाने पहुंचकर ससुराल पक्ष के कई महिला और पुरुषों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी को लेने ससुराल पहुंचे युवक से मारपीट, वीडियो वायरल

कांधला। कस्बे में पत्नी को लेने ससुराल पहुंचे एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। मारपीट का लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घायल युवक ने थाने पहुंचकर ससुराल पक्ष के कई महिला-पुरुषों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बुधवार को जनपद बागपत के गांव टिकरी निवासी सुमित अपनी पत्नी काजल को लेने के लिए कांधला स्थित अपनी ससुराल पहुंचा था। आरोप है कि इसी दौरान ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ मारपीट कर दी। मारपीट में सुमित घायल हो गया। घटना के दौरान किसी व्यक्ति ने मारपीट का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घटना के बाद घायल युवक ने अपना चिकित्सकीय परीक्षण कराया और थाने पहुंचकर ससुराल पक्ष के कई महिला और पुरुषों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

30 अक्टूबर को रामलीला मेले में सजेगी कविताओं की महफिल, जुटेंगे देशभर के नामचीन कवि

हास्य-व्यंग्य और रचनाओं से श्रोताओं को गुदगुदाएंगे कवि, शाम छह बजे से होगा आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। पूरनपुर के रामलीला मेले में 30 अक्टूबर को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। श्री रामलीला मेला कमेटी की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न शहरों से आए कवि अपनी कविताओं, हास्य और व्यंग्य से श्रोताओं का मनोरंजन करेंगे। सम्मेलन शाम छह बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम को लेकर आयोजक तैयारियों में जुटे हुए हैं। वहीं, रामलीला मेले में दुकानें भी सजने लगी हैं। कवि सम्मेलन में मुंबई के चंदन राय, रायबरेली के नीरज पांडेय, प्रतापगढ़ की प्रीति पांडेय, लखनऊ की प्रख्यात मिश्रा, बाराबंकी के प्रमोद पंकज, पीलीभीत के जितेश राज, बहेड़ी की नेहा मिश्रा, बरेली की



सुल्तान जहां और उज्जैन के हिमांशु शर्मा बवंडर अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता देवनागरी उद्यान परिषद के अध्यक्ष पंडित राम अवतार शर्मा करेंगे। आयोजन की जिम्मेदारी पूरनपुर के एसडीएम नागेंद्र पांडेय और तहसीलदार आशीष गुप्ता को सौंपी गई है। संयोजक मुकेश गुप्ता

एडवोकेट, अमिताभ मिश्रा एडवोकेट और देव शर्मा विचित्र ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान होंगे। जिलाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक सुकृति माधव मिश्र विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता को स्वागतार्थ्यक्ष बनाया गया है। आमंत्रित अतिथियों में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ. गुरभाण सिंह, नाना समिति अध्यक्ष नितिन दीक्षित, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह, समाजसेवी लेखराज भारती, पंडित राजेंद्र प्रसाद स्मारक क्लिंग ऑफ फार्मेसी के एमडी अमित मिश्रा, समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू सहित अन्य शामिल हैं। आयोजकों को उम्मीद है कि कवि सम्मेलन में बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर साहित्यिक प्रस्तुतियों का आनंद लेंगे।

टेंपो की टक्कर से वायुसेना कर्मी समेत दो घायल, मुकदमा दर्ज

कांधला। थाना क्षेत्र में एलम से शामली जाते समय गांव गखंडावली बाग के रास्ते पर तेज रफ्तार टेंपो ने बाइक में टक्कर मार दी थी। हादसे में भारतीय वायुसेना में तैनात युवक समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी टेंपो चालक की तलाश शुरू की है। बिागपत जनपद के दोघट थाना क्षेत्र के गांव बागमौली निवासी सतेंद्र कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका पुत्र देवाशीष चौधरी और साला राजेश पवार विगत 23 अक्टूबर को दोपहर करीब साढ़े 12 से एक बजे के बीच एलम से घायल हो गए। देवाशीष का दिल्ली के आरआर अस्पताल और राजेश का मेरठ के सुभारती अस्पताल में उपचार चल रहा है। देवाशीष भारतीय वायुसेना में वायु अग्निवीर के पद पर तैनात हैं।



उत्थान फाउंडेशन की विजेता फरहीन खान की कला से प्रभावित हुई एसडीएम कोमल पंवार

करवा चौथ पर लगवाई कश्मीरी मेहंदी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। प्रतिभा को जब प्रोत्साहन और सम्मान मिलता है, तो कलाकार का आत्मविश्वास कई गुना बढ़ जाता है। ऐसा ही एक प्रेरणादायक उदाहरण उस समय देखने को मिला, जब मोदीनगर की उपजिलाधिकारी (एसडीएम) कोमल पंवार ने करवा चौथ के अवसर पर उत्थान फाउंडेशन की मेहंदी प्रतियोगिता की प्रथम समूह की विजेता फरहीन खान से अपने हाथों पर विशेष कश्मीरी डिजाइन की मेहंदी लगवाई।

उत्थान फाउंडेशन की संस्थापक सचिव डॉ. सोनिका जैन ने बताया कि संस्था द्वारा आयोजित मेहंदी



प्रतियोगिता में फरहीन खान ने बेहद सुंदर एवं आकर्षक कश्मीरी शैली का मेहंदी डिजाइन बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया था। एसडीएम कोमल पंवार को



फरहीन द्वारा बनाया गया यह विशेष डिजाइन इतना पसंद आया कि उन्होंने स्वयं फोन करके करवा चौथ के अवसर पर उसी कश्मीरी डिजाइन की मेहंदी लगवाने की इच्छा व्यक्त की।

एसडीएम की इच्छा के अनुरूप फरहीन खान ने उनके हाथों पर आकर्षक कश्मीरी शैली की मेहंदी रचाकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। डॉ. सोनिका जैन ने कहा कि यह उत्थान फाउंडेशन के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि संस्था के मंच से उभरने वाली प्रतिभाओं को प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा इस प्रकार प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एसडीएम कोमल पंवार की यह पहल न केवल फरहीन खान के लिए एक यादगार उपलब्धि है, बल्कि अन्य छात्राओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि किसी प्रतियोगिता की वास्तविक सफलता तभी होती है,

जब उसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को अपनी कला प्रदर्शित करने के नए अवसर प्राप्त हों। फरहीन खान की यह उपलब्धि दशार्त्ती है कि प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती, उसे केवल उचित मंच और प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। डॉ. सोनिका जैन ने एसडीएम कोमल पंवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एक प्रशासनिक अधिकारी द्वारा स्थानीय प्रतिभा को इस प्रकार सम्मान और अवसर प्रदान करना समाज के लिए सकारात्मक संदेश है। उत्थान फाउंडेशन भविष्य में भी बच्चों एवं महिलाओं की छिपी प्रतिभाओं को निखारने तथा उन्हें पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी , दिल्ली-एनसीआर परिसर, मोदीनगर में सामाजिक दायित्व और जनसेवा की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस महान कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. एस. विश्वनाथन (निदेशक), डॉ. आर. पी. महापात्रा

(डीन), डॉ. धौम्या भट्ट (डीन, आईक्यूएसी), डॉ. गीता भवानी (डीन, रिसर्च), डॉ. नवीन अहलावत (डीन, कैम्पस लाइफ), डॉ. पल्लवी जैन (हेड, स्टूडेंट वेलफेयर) के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन से हुआ। इस शिविर का सफल आयोजन संस्थान की राष्ट्रीय सेवा योजना टीम, लक्ष्य ट्रस्ट तथा इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। शिविर में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों

एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने बड़-चढ़कर भाग लिया। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की अनुभवी चिकित्सा टीम द्वारा सभी रक्तदाताओं का प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें रक्तचाप एवं हीमोग्लोबिन की जांच जैसी आवश्यक प्रक्रियाएँ शामिल थीं। स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं स्वच्छता के निर्धारित मानकों का विशेष ध्यान रखते हुए रक्तदान की प्रक्रिया संपन्न कराई गई।

रोटरी क्लब मोदीनगर ने सरस्वती शिशु मंदिर, गदाना में स्थापित की कंप्यूटर लैब, विद्यार्थियों को मिली आधुनिक तकनीक की सौगात

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। रोटरी क्लब मोदीनगर द्वारा बुधवार को सरस्वती शिशु मंदिर, गदाना, हापुड़ रोड में शिक्षा एवं तकनीकी विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सराहनीय सामाजिक सेवा परियोजना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में 8 कंप्यूटरों की स्थापना कर आधुनिक कंप्यूटर लैब तैयार की गई, रोटरी व्हील स्थापित किया गया तथा ड्राइंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मनोज अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि विवेक



शर्मा द्वारा कंप्यूटर लैब के उद्घाटन के साथ किया गया। दोनों अतिथियों ने रोटरी क्लब मोदीनगर के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक से विद्यार्थियों को जोड़ना उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष रोटेरियन मुकेश गोयल ने विद्यार्थियों

को संबोधित करते हुए कहा कि आज के डिजिटल युग में कंप्यूटर शिक्षा केवल आवश्यकता ही नहीं, बल्कि सफलता की एक महत्वपूर्ण कुंजी है। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष मुकेश गोयल ने इस परियोजना को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले प्रोजेक्ट ईंचां अजय गोयल, अनिल सावंत

एवं आभास सहित सभी अतिथियों, विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब मोदीनगर के सचिव रोटेरियन आभाष कंसल, रोटेरियन शलभ सिंघल, एन.के. सक्सेना, अक्षय अग्रवाल, राजीव भटनागर, सचिन गुप्ता, आलोक गुप्ता तथा अन्य रोटरी सदस्य उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त विनोद अग्रवाल , विद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र, सुदेश मित्तल एवं विद्यालय के समस्त शिक्षकगण भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। क्लब अध्यक्ष मुकेश गोयल ने सभी उपस्थित अतिथियों, रोटरी सदस्यों एवं विद्यालय परिवार के प्रति धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।

ग्राम नानू फतेहपुर में राष्ट्रीय लोकदल की बैठक आयोजित

संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों पर हुई चर्चा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। सिवाल खास विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नानू फतेहपुर में राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व प्रदेश महासचिव रणवीर दहिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता चौधरी ईश्वर सिंह ने की तथा संचालन रवि भारत चिकारा ने किया।

मुख्य अतिथि रणवीर दहिया ने बैठक में उपस्थित लोगों से संवाद करते हुए संगठनात्मक एकजुटता और आपसी समन्वय के महत्व पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन की मजबूती उसके कार्यकर्ताओं की सक्रियता, आपसी सहयोग और



जनता से निरंतर संपर्क बनाए रखने में निहित होती है। राष्ट्रीय लोकदल की विचारधारा के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं, किसानों के हितों और सामाजिक सहभागिता को लेकर विचार साझा किए गए। उपस्थित लोगों ने संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने और क्षेत्र

में आपसी तालमेल के साथ कार्य करने पर जोर दिया।

इस अवसर पर प्रधान मेकपाल गुर्जर, बरजपाल सिंह, सहसरपाल सिंह, बीरपाल सिंह, मोती लाल, संतेंद्र सिंह, ज़िले सिंह, ओंकार सिंह, वीरेंद्र सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कस्बा निवाड़ी में आपसी भाईचारे के मिसाल बने इकरामुद्दीन का किया स्वागत



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नगर पंचायत निवाड़ी से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है जो ईंसानियत, गंगा-जमुनी तहजीब और अटूट भाईचारे की मिसाल पेश कर रही है। यहाँ कस्बे के रहने वाले इकरामुद्दीन पिछले 5 दशक यानी पूरे 50 वर्षों से बिना किसी जाति, धर्म या वर्ग के भेदभाव के, पूरी मित्र के साथ कस्बे के लोगों की अंतिम यात्राओं और शव सेवा में जुटे हुए हैं। उनकी इस निस्वार्थ और लंबी जनसेवा को देखते हुए समाजसेवी अंकित त्यागी सतेंद्र त्यागी राष्ट्रीय संरक्षक भारतीय किसान यूनियन (किसान सभा) कस्बा वासियों ने इकरामुद्दीन को फूल-मालाएं पहनाई और शॉल व

चादर ओढ़ाकर उनकी इस महान तपस्या का अभिनंदन किया। सतेंद्र त्यागी संरक्षक किसान यूनियन किसान सभा ने इकरामुद्दीन के योगदान की प्रशंसा की। समाजसेवी अंकित त्यागी ने कहा कि निवाड़ी की इस पावन पवित्र धरती ने हमेशा से भाईचारे और आपसी प्रेम का पाठ पढ़ाया है। यहाँ हिन्दू और मुस्लिम भाई मिलकर हर सुख-दुःख में एक-दूसरे के संबल बनते हैं, और इकरामुद्दीन इस एकता की सबसे मजबूत धुरी हैं। इस अवसर पर सुनील त्यागी राहुल सक्सेना, शमशाद अली, देवांश त्यागी,सुबोध कुमार,तौफीक,रिहान, रहीमुद्दीन, विपिन कुमार,अमित गिरी, बरकत अली,मुकुल कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

एमडीएस की व्यावसायिक परीक्षा में डॉ. राधिका बहल ने हासिल की सफलता

कालका डेंटल कॉलेज के कृत्रिम दंत चिकित्सा विभाग के विद्यार्थियों की उपलब्धि, शिक्षकों ने दी बधाई



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। कालका डेंटल कॉलेज के कृत्रिम दंत चिकित्सा विभाग में दंत प्रत्यारोपण, कृत्रिम दांतों और दंत मुकुटों से संबंधित चिकित्सा में विशेषज्ञता हासिल करने वाले विद्यार्थियों ने एमडीएस की व्यावसायिक परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। सफल विद्यार्थियों में डॉ. राधिका बहल भी शामिल हैं। वह ललित कुमार बहल की

सुपुत्री हैं। उनकी सफलता पर कॉलेज के शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्थान की ओर से विद्यार्थियों की इस उपलब्धि को उनके कठिन परिश्रम, लगन, समर्पण और शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिणाम बताया गया। साथ ही कहा गया कि विद्यार्थियों की सफलता में विभाग के शिक्षकों के मार्गदर्शन, निरंतर प्रोत्साहन और कॉलेज के शैक्षणिक

वातावरण की महत्वपूर्ण भूमिका रही है इस अवसर पर केजीआई के अधिष्ठाता डॉ. पुरुषोत्तम झा, कालका डेंटल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राकेश कृष्ण गुप्ता, प्रोफेसर एवं उपप्राचार्य डॉ. अमित सिवाच, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल शर्मा, सह-आचार्य डॉ. श्रुति खनेजा, सह-आचार्य डॉ. श्रीमंत रमन तथा सह-आचार्य डॉ. शिवानी के मार्गदर्शन और सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

समाजसेविका सुदक्षिणा शर्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों तथा क्षेत्र के गणमान्य लोगों में काफी संख्या में श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित होकर समाजसेविका सुदक्षिणा शर्मा को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। समाज सेवी चतुरसेन शर्मा की धर्मपत्नी सुदक्षिणा शर्मा की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन ए.बी.एस फॉर्म हापुड़ रोड मोदीनगर में किया गया। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित बी डी शर्मा सहित काफी संख्या में क्षेत्र के लोगों ने उपस्थित होकर समाजसेविका सुदक्षिणा शर्मा को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की ' इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण

महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज राष्ट्रीय सचिव हुकम चंद शर्मा राष्ट्रीय सचिव रवि दत्त शर्मा गाजियाबाद के जिला अध्यक्ष बुद्ध प्रकाश शर्मा मोदीनगर के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राम आसरे शर्मा वर्तमान नगर पालिका मोदीनगर अध्यक्ष विनोद वैशाली, पप्पन शर्मा, राजन चौधरी अध्यक्ष गन्ना समिति मोदीनगर, ऋतिक पाराशर, गुड मंडी मुरादनगर से दिनेश शर्मा डॉलकी शर्मा आदि भारद्वाज जिला गाजियाबाद के बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं अनेक शिक्षाविद श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित हुए ' कार्यक्रम की व्यवस्था अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा मोदीनगर के अध्यक्ष हरेंद्र शर्मा ने की। समाजसेवी चतुरसेन शर्मा ने श्रद्धांजलि सभा में पधारो लोगों का आभार व्यक्त किया।

लायंस क्लब मोदीनगर राइजिंग स्टार ने आयोजित की मेहंदी प्रतियोगिता

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। पी.बी.ए.एस. कन्या विद्यालय में लायंस क्लब मोदीनगर राइजिंग स्टार द्वारा मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा एवं कलात्मक कौशल को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ निर्णायक मंडल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात निर्णायक मंडल की सदस्याओं प्रीति शिखा माहेश्वरी, ज्योति माहेश्वरी, संगीता शर्मा, रीमा अग्रवाल एवं नैना अग्रवाल का पटका पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय की कुल 54 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाशीलता, रचनात्मकता और



मेहंदी कला का सुंदर प्रदर्शन किया। छात्राओं की कलाकृतियों में उनकी मेहनत, लगन और कलात्मक अभिरुचि स्पष्ट रूप से दिखाई दी। निर्णायक मंडल ने छात्राओं द्वारा बनाई गई मेहंदी की आकर्षक डिजाइनों की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा उनकी प्रतिभा को सराहा।

इस अवसर पर लायंस क्लब मोदीनगर राइजिंग स्टार की अध्यक्ष लायन डॉ. वर्षा गुप्ता, विद्यालय की

प्रधानाचार्या डॉ. संगीता शर्मा तथा श्रीमती रीमा अग्रवाल, श्रीमती नैना अग्रवाल, श्रीमती प्रीति शिखा माहेश्वरी, श्रीमती संगीता शर्मा एवं श्रीमती ज्योति माहेश्वरी की उपस्थिति रही। सभी ने इस प्रकार की गतिविधियों को छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। क्लब की सचिव लायन एकता अग्रवाल, क्लब सदस्य लायन पूनम ग्रंग ने बताया लायंस क्लब मोदीनगर राइजिंग स्टार

द्वारा समय-समय पर आयोजित किए जाने वाले ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान करना है। प्रतियोगिता में आफिया पुत्री बबलू प्रथम, आकांक्षा पुत्री श्री भारत द्वितीय, फरहीन पुत्री नईमुद्दीन तृतीय रही सभी विजेता छात्राओं को क्लब ने द्वारा उपहार दिए गये, करीब दस छात्राओं को रीमा अग्रवाल व नैना अग्रवाल के द्वारा सांत्वना पुरस्कार दिए गये। प्रीति शिखा माहेश्वरी व ज्योति माहेश्वरी द्वारा समस्त प्रतिभागी छात्राओं को फ्रूटी व समोसा वितरित किया गया। सुन्दर व सुव्यवस्थित कार्यक्रम के लिए क्लब अध्यक्ष लायन डा. वर्षा गुप्ता ने विद्यालय की प्रधानाचार्या डा. संगीता शर्मा व शिक्षिका संध्या माहेश्वरी व पूजा माहेश्वरी आदि का आभार व्यक्त किया।

2027 के रण के लिए अभी से कमर कसें कार्यकर्ता, नरेंद्र कश्यप ने मरा जोश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को सक्रिय करने और कार्यकर्ताओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान करना है। तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में नेहरू नगर स्थित भाजपा महानगर कार्यालय में ओबीसी मोर्चा की बैठक आयोजित की गई। प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने जिला और महानगर ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए चुनावी तैयारियों में अभी से जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं को लगातार जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझना और सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचानी चाहिए। बैठक के दौरान आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं

की जिम्मेदारियों पर चर्चा हुई। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि चुनाव के समय सक्रिय होने के बजाय कार्यकर्ताओं को अभी से अपने-अपने क्षेत्रों में जनसंपर्क बढ़ाना होगा। जनता से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुनना और संबंधित मुद्दों को उचित मंच तक पहुंचाना भी जरूरी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यों को लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता जनता को योजनाओं की जानकारी दें और पात्र लोगों को उनका लाभ लेने के लिए जागरूक करें। संगठन की ताकत कार्यकर्ताओं की सक्रियता, जनसंपर्क और आम लोगों के साथ निरंतर संवाद से बढ़ती है। बैठक में जिला अध्यक्ष अजीत पाल कश्यप और महानगर अध्यक्ष राहुल निरी ने मंत्री नरेंद्र कश्यप का स्वागत किया।

